



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

Nov-Dec 2000

सं. 267]

No. 267]

नई दिल्ली, मंगलवार, नवम्बर 21, 2000/कार्तिक 30, 1922

NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 21, 2000/KARTIKA 30, 1922

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 नवम्बर, 2000

प्रारंभिक निष्कर्ष

विषय :—रूस, चीन तथा इरान से फेरो सिलिकॉन के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच—प्रारंभिक निष्कर्ष

सं. 28/1/2000-डीजीएडी :—सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा उसके सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए :

क. प्रक्रिया

1. जांच के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है:-

i निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) को उपरोक्त नियमों के अधीन मै. इंडियन मेटल्स एंड फेरो एलॉयज लि., भुवनेश्वर, मै0 नव भारत फेरो एलॉयज लि., हैदराबाद और मै. वीबीसी फेरो एलॉयज लि., हैदराबाद से लिखित याचिका प्राप्त हुई जिसमें रूस, चीन तथा इरान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित फेरो सिलिकॉन के पाटन का आरोप लगाया गया था।

ii आवेदन की प्रारंभिक छानबीन से कुछेक कमियों का पता चला जिसे बाद में याचिकाकर्ता ने ठीक कर दिया था। इसके बाद याचिका को उचित रूप से प्रलेखित माना गया था।

iii प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर रूस, चीन तथा इरान के मूल के अथवा वहां को निर्यातित फेरो सिलिकॉन के आयातों के आरोपित पाटन के विरुद्ध जांच प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। इन नियमों के उपनियम 5(5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले प्राधिकारी ने पाटन का आरोप प्राप्त होने के बारे में सम्बद्ध देशों के दूतावासों को सूचित किया।

iv प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय-72 के सीमाशुल्क उपशीर्ष सं0 7202.21 तथा 7202.2100 के अंतर्गत वर्गीकृत रूस, चीन तथा इरान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित फेरो सिलिकॉन के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच प्रारंभ करते हुए दिनांक 5 जून, 2000 को एक सार्वजनिक सूचना भारत के राजपत्र, असाधारण, में प्रकाशित कराई;

v प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) और उद्योग संघों को भेजी, और उन्हें पत्र की तारीख से 40 दिन के भीतर अपने विचार लिखित रूप में देने का अवसर प्रदान किया।

vi प्राधिकारी ने फेरो सिलिकॉन के ज्ञात आयातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी और उनसे इस पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार लिखित रूप में देने के लिए कहा।

vii केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमाशुल्क बोर्ड (सीबीईसी) से रूस, चीन तथा इरान के आयातों का विवरण देने का अनुरोध किया गया था।

viii प्राधिकारी ने पूर्वोक्त नियम 6(3) के अनुसार अगोपनीय याचिका की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देशों के दूतावासों को उपलब्ध करवाई।

ix प्राधिकारी ने सम्बद्ध सूचना प्राप्त करने के लिए नियम 6(4) के अनुसार रूस, चीन तथा इरान के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों, को प्रश्नावली भेजी:-

रूस

- चैल्याबिस्क इलैक्ट्रो मेटालर्जिकल इंडीग्रेटेड प्लांट, चैल्याबिस्क 454081
- क्लूकैरस्क फ़ैरोप्लांट
देवूरेकैसक सैटलमैंट
सिसरदले डिस्ट्रिक्ट
एसवीईआरडी, ओवीएस के ओबलास्ट 624013
रूस

चीन

- चाइनाहैंटन इंड लि0
2401 110 किंग काडम सेंटर

हांगकांग

- मानजिंग नं. 3 फ़ैरो-एलॉयन प्लांट
एच.ओ. 13 जियांगनिंग रोड
नानजिंग सिटी, जियांगसू
- तियांजिंग नॉन-फ़ैरस मेटल्स
इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि.
तियांगजिन, चीन

- हूनाऊ फैरो एलायज प्लांट
इजूनान, चीन
- जिनछूआन नोनो फैरस मेटल कं.
गांसू प्रोविंस, चीन
- जिगहो फैरो एलॉयज प्लांट
लिओजिंग, चीन
- नानजिङग फैरो एलॉयज प्लांट
जियांग सू, चीन
- शंघाई फैरो एलायज प्लांट
वैस्ट शंघाई, चीन
- जिबर् फैरो एलॉयज वर्क्स
गांसे, चीन
- जिन्यू आयरन एंड स्टील वर्क्स
जियांगसी प्रोविंस, चीन
- जिशुई कंटरी फैरो स्टील प्लांट
हुबई, चीन
- ज्यूनयी फैरो एलायज प्लांट
ग्यूज्तो प्रोविंस, चीन

व्यापारी वर्ग

स्कंद मेटल इंटरनेशनल, एसए, ब्रसैल्स
फैरोमैट एबी, स्टॉकहोम

फेरको इंटरट्रेड (यू.के.) लि., लंदन
फेरको सैलिक वीसी दिस टिकारेट लि., तुर्की

कोरका नॉन-फैरस मेटल, कलकत्ता

फस्ट इंडस्ट्रियल एसए, लक्जमबर्ग

बेनेट लक्समबर्ग एसए, लक्समबर्ग

डी.डी. के ट्रेडिंग लि., स्लाइमा माल्टा

लंदन मेटल्स लि., लंदन 2 वाईटी

एलकेम एसए, नार्वे

ट्रांस कमोडिटीज एजी, स्विटजरलैंड

एल एंड एम ग्रुप, जर्मनी

सीएमआईईसी इंडिया लायजन आफिस, नई दिल्ली-110021

एआईएमसीओआर मेटल्स ग्रुप
कोराओपल्लस, पीए. 15108

इरान

इरान फ़ैरो एलॉयज इंडस्ट्रीज कम्पनी,
पो.आ.बाक्स 15815/3169,
न. 621 सेंट गांधी एवन्यू
तेहरान 1517

निर्यातक ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया । तथापि, इरान फ़ैरो एलॉयज इंडस्ट्रीज कम्पनी ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को लिखे दिनांक 20 अगस्त, 2000 के पत्र में यह उल्लेख किया है कि फ़ैरो सिलिकोन के भिन्न-भिन्न ग्रेड हैं और उनमें से एक मानक ग्रेड एसआई: 73-78% है । उन्होंने 540 अमरीकी डालर/मी. टन सी+एफ मुम्बई पर इस उत्पाद के केवल 300/मी.टन की ही आपूर्ति की है जिसमें से 20 अमरीकी डालर/मी. टन का भाड़ा है । यह सामग्री मामूली उतार चढ़ाव के साथ एक अंतर्राष्ट्रीय कीमत प्राप्त कर चुकी है और विश्व के कुल कारोबार की तुलना में एक छोटा उत्पादक होने के नाते उन्हें अंतर्राष्ट्रीय कीमतों का पालन करना ही पड़ता है । उनकी कुल उत्पादन क्षमता वस्तुतः 20, 000 मी. टन है और इरान का वास्तविक उत्पादन लगभग 40,000 मी. टन है जिसका मुख्यतः इरान में प्रयोग किया जाता है । प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पत्र में दी गई सूचना दस्तावेजी साक्ष्य के साथ प्रमाणित नहीं की गई है ।

नियम 6(2) के अनुसार रूस, चीन तथा इरान के दूतावासों को जाँच शुरू करने के बारे में इस अनुरोध के साथ सूचित किया गया था कि वे अपने-अपने निर्यातकों/उत्पादकों से निर्धारित अवधि के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए कहें । निर्यातकों को भेजे गए पत्र, अगोपनीय याचिका तथा प्रश्नावली की एक प्रति निर्यातकों के नाम तथा पते सहित उनके पास भी भेजी गई थी ।

x) नियम 6(4) के अनुसार भारत में फ़ैरो सिलिकोन के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों को अपेक्षित जानकारी माँगने के लिए एक प्रश्नावली भेजी गई थी:-

आयातक - फ़ैरो सिलिकोन

ओपीआरके फ़ैरो स्लॉयज़ लि.
वज़ीरपूर, दिल्ली- 110 052

मैटालिक स्लॉयज़
दिल्ली - 110 052

दुर्गा कैमिकल्स एजेंसिज
लुधियाना

हिमानी फ़ैरो स्लॉयज़ लि.
करोलबाग, नई दिल्ली

ब्रिटिश मेटल कोर इंडिया प्रा. लि.
नई दिल्ली - 110 001

मैट्रको मार्केटिंग
नई दिल्ली

ऑसवाल मिनेरल्स,
बंगलोर- 560 021

जैन फ़ैरो अलायज़
बंगलोर - 560 021

मनहार मनक अलायज़ प्रा. लि.,
मुम्बई-400 004

श्रीराम इंटरप्राइजेज
चेन्नई-4

स्ट्रुलिंग फौरो अलायस प्रा. लि.
बडोदा - 390 005

कोठारी मेटल्स लि.
कलकत्ता - 71

गार्गी इंडस्ट्रीज,
मुम्बई - 400 074

कलिंगा अलायस लि.
नई दिल्ली-110 005

इस्सल माइनिंग एंड इंडस्ट्रीज लि.
गुजरात

वीसा इंटरनेशनल
कलकत्ता - 700 017

राष्ट्रीय इस्पात निगम लि. (वीएसपी)
आन्ध्र प्रदेश

संगलैंग लौह एंड स्टील कं. लि.
नागपुर - 400 001

इस्सार स्टीलस लि.
गुजरात
मुकंद लि.
मुम्बई - 400 080

मिनक्स मेटालर्जिकल्स कं. लि.
मुम्बई - 400 069

कृष्णावन इंटरप्राइजेज,
नई दिल्ली - 110 029

स्नाम अलायस प्रा. लि.
पौडिचैरी

पंचमहल स्टील लि.
मुम्बई - 400 021

श्रीलक्ष्मी ट्रेडर्स,
बंगलौर - 560 021

इलैक्ट्रो फ़ैरो अलायस प्रा. लि.
अहमदाबाद - 380 008

डीसीएम इंजिनियरिंग प्रोडक्ट्स
रोपड़ - 140 01

राठी इस्पात लि.
गाजियाबाद

स्टारवायर इंडिया लि.
अहमदाबाद

हरियाणा स्टील एंड अलायस लि.
हरियाणा

फ़ैरो सिलिकान मैजर कंजुमर्स

जिंदल स्टील्स लि.
हिसार

सनफ़्लैग लौह एंड स्टील कं. लि.,
नागपुर - 440 001

हरियाणा स्टील एंड अलायस लि.
सोनीपत, हरियाणा

इस्सार स्टील्स लि.
गुजरात

राठी इस्पात लि.,
गाजियाबाद (यूपी)

मुकंद लि.,
मुम्बई - 400080

अम्बिका स्टील्स लि.
साहिबाबाद (यूपी)

मिर्नक्स मेटालर्जिकल्स क० लि०,
मुम्बई - 400 069

डीसीएम इंजिनियरिंग वर्क्स
रोपड़ - 140 001

दि टाटा इरन एंड स्टील क. लि.
जमसेदपूर - 831 001

अपर इंडा स्टील मैन्यू. एंड इंजी. कं. लि.
लुधियाना - 141 010

स्टील ऑथर्टी ऑफ इंडिया लि.,
कलकत्ता - 700 071

आरती स्टील लि.
लुधियाना, पंजाब

राष्ट्रीय इस्पात निगम लि. (वीएसपी)
विशाखापटनम
आन्ध्र प्रदेश

पंजाब कॉनकास्ट लि.
लुधियाना

आफिस ऑफ दि डायरेक्टर जनरल ऑफ
सप्लायर्स एंड डिसपोजल्स (डीजीसी एंड डी)
नई दिल्ली - 110 001

उसा मार्टिन लि.
कलकत्ता - 700 071

टैल्को लि.

जमसेदपूर - 831 001

स्टारवायर इंडिया लि.
फरीदाबाद

एनोर फाउंडरीज लि.
चैन्नई - 600 057

पायनियर एलाय कास्टिंग लि.
चैन्नई - 600 028

इलैक्ट्रो स्टील कास्टिंग्स लि.
कलकत्ता - 700 0001

गांटियरनन पाइपस लि.
प. बंगाल

जी.के.डब्ल्यू लि.
हावड़ा • 711103

केशोराम स्पन पाइप्स एंड फाउंडरीज लि.
कलकत्ता - 700 070

निम्नलिखित द्वारा उत्तर दायर किया गया था:-

- फैरो एलॉयज लि., रायपुर
- श्री गुरु कृपा एलॉयज प्रा. लि., जम्मू
- पूजा फैरो एलॉयज लि., गोवा ।
- एसएनएएम एलॉयज प्रा. लि., पांडिचेरी
- मुकन्द लि. मुकन्दे, थाणे
- स्टर्लिंग फैरो एलॉयज प्रा. लि., बडौदा
- सन फ्लैग आयरन एंड स्टील कं. लि., भण्डार
- टाटा इंजी., मुम्बई
- इलैक्ट्रो फैरो एलॉयज प्रा. लि., अहमदाबाद
- दि सन्दूर मैग्नीज एंड आयरन ओर्स लि., मेटल एण्ड फैरो एलायज प्लांट, हासपेट

xi प्राधिकारी ने सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश उपलब्ध करवाए और उसे हितबद्ध पार्टियों द्वारा निरीक्षण हेतु खुला रखा।

xii याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा सिद्धान्तों के आधार पर उत्पादन की ईष्टतम लागत तथा भारत में संबद्ध वस्तु के निर्माण और उसकी बिक्री लागत को निकालने के लिए लागत संबंधी जांच की गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यदि पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ।

xiii कुछेक हितबद्ध पार्टियों ने आयातकों की प्रश्नावली का उत्तर दायर करने के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध किया था जो उचित कारण बताने पर प्रदान कर दिया था ।

xiv XXX से इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना प्रदर्शित होती है और प्राधिकारी द्वारा उसे नियमों के अन्तर्गत ऐसा ही माना गया है ।

xv यह जांच 1 अप्रैल, 99 से 31 दिसम्बर, 1999 (9 माह) तक की अवधि के लिए की गई थी ।

ख. याचिकाकर्ताओं के विचार

2. याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में और उसके बाद किए गए अनुरोधों में निम्नलिखित मुख्य-मुख्य मुद्दे उठाए हैं :-

i) फ़ैरो सिलिकोन लौह एवं सिलिकॉन की एक मिश्रित धातु है जिसमें अशुद्धता के रूप में कैल्शियम, एल्युमिनियम, कार्बन, सल्फर और फास्फोरस निहित होते हैं । फ़ैरो सिलिकॉन का विनिर्माण सवमर्जड आर्कफर्नेस में किया जाता है जिसमें ताप को कच्ची सामग्रियों की प्रतिरोध शक्ति द्वारा उत्पन्न किया जाता है जब विद्युत ऊर्जा कार्बन इलेक्ट्रोड के जरिए भेजी जाती है । फ़ैरो सिलिकॉन के उत्पादन के लिए प्रमुख कच्ची सामग्री है क्वार्टजाइट, जिसमें 98% से अधिक एस आई ओ 2 निहित होता है । संबद्ध वस्तु के उत्पादन के लिए अपेक्षित अन्य कच्ची सामग्रियाँ हैं: कार्बन पेस्ट और इलेक्ट्रिसिटी । चूंकि विनिर्माण की प्रक्रिया लगभग लौह चून रहित होती है इसलिए कुछ समयान्तरालों पर फर्नेस से केवल अलौह बाहर निकाला जाता है । तत्पश्चात ग्राहकों की अपेक्षाओं के अनुसार आकार प्रदान करने के लिए इस उत्पाद को ढालकर ठण्डा किया जाता है ।

ii) संबद्ध देशों से फ़ैरो सिलिकॉन का आयात कुछ ही समय पहले से किया जा रहा है । उपयोक्ताओं द्वारा फ़ैरो सिलिकॉन का प्राथमिक तौर पर आयात अपने खुद के अन्त्य उपयोग हेतु किया जाता है । रूस, चीन और ईरान में फ़ैरो सिलिकॉन के अनेक उत्पादक हैं । चीन के उत्पादक सीधे निर्यात नहीं करते हैं । चीन में निर्यात प्राधिकृत व्यापारिक घरानों द्वारा किए जाते हैं । तथापि, इन देशों के निर्यातकों ने 1998-99 में अपनी कीमतों में कमी की है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है । डीजीसीआईएस के अनुसार 1996-97, 1997-98 1998-99 और जांच अवधि अर्थात्

अप्रैल, 99 से दिसम्बर, 99 के लिए फैंरो सिलिकॉन के आयातों की मात्रा और उनका मूल्य निम्नानुसार रहा है :-

**डीजीसीआईएस के अनुसार
मात्रा (मी. टन में)**

देश	1996-97	1997-98	1998-99	जांच अवधि
रूस	1074.7	2949.8	2514.8	4003.78
चीन	220.7	2209	80.29	2675
इरान	--	142.8	--	280
संबद्ध देश	1295.5	5301.8	2595.18	6958.78
अन्य स्रोत	9931	6429.96	1779.58	5858.5
कुल आयात	11226.5	11731.8	4374.7	12817.3

(संबद्ध वस्तु के आयातों पर सीमाशुल्क वर्गीकरण संख्या 7202.2100 के अन्तर्गत विचार किया गया है)

मूल्य रुपए कि.ग्रा. में (सीआईएफ)

देश	1996-97	1997-98	1998-99	जांच अवधि
रूस	24.06	22.96	23.19	23.19
चीन	34.41	24.27	47.15	25.16
इरान	--	25.34	--	20.54
अन्य सभी स्रोत	38.30	31.5	44.12	44.60

निर्यातों का पहुँच मूल्य

देश	1996-97	1997-98	1998-99	जांच अवधि
रूस	29.64	28.97	29.27	29.86
चीन	42.39	30.63	59.52	32.39
इरान	--	31.98	--	26.44
अन्य स्रोत	47.18	39.76	55.7	57.37

(क) प्रशासनिक मंत्रालय की सूचना के अनुसार भारत में फैंरो सिलिकॉन के 15 उत्पादक हैं जिनमें से तीन उत्पादकों ने यह याचिका दायर की है। उत्पादक अर्थात् मै. इंडसिल इलैक्ट्रोसमेल्स लि. कोयम्बटूर ने इस याचिका का समर्थन किया है।

(ख) उपभोक्ता उद्योग के उत्तर से यह ज्ञात होता है कि मै. श्री गुरु कृपा एलॉयज प्रा. लि. ने नवम्बर, 96 में उत्पादन शुरू किया था और तब से वे फैंरो सिलिकॉन का विनिर्माण करते आ रहे हैं। 1998-99 में उनका उत्पादन औसतन 115 मी. टन प्रतिमाह का था। 1999-2000 में यह 113 मी. टन (अनन्तिम) का रहा था।

उत्पादन मी. टन में

उत्पादक	1996-97	1997-98	1998-99	जांच अवधि
याचिकाकर्ता				
आईएमएफए	28273	22679	22043	13379
वीबीसी	10406	11476	6162	7748
नव भारत	2982	8038	1373	--
कुल	41661	42193	29578	
याचिकाकर्ताओं के अलावा				
आलोक फैरो अलॉयज लि.	--	--	686	--
नव क्रोम लि.	162	324	324	--
इस्पात अलॉयज लि.	8880	--	--	--
जीएमआर वासावी इंडस्ट्रीज लि.	146	33	--	5
इंडसिल इलैक्ट्रोसमेल्ट्स लि.	2864	1532	3149	18
दि सिलकल मेटालर्जिक लि.	4449	3462	5040	5005
ट्रावनकोर इलैक्ट्रो चैन	--	57	506	--
सन्दूर मैग्नीज एण्ड आइरन और	8102	10993	5227	--
विश्वेश्वरया आरन एंड स्टील क.	7557	7986	2319	--
यूनिवर्सल फैरोअलायज कैम	--	4008	4008	---
मै. अनजाने फैरो अलायज लि.				50
मै. श्याम फैरो अलायज लि.				86
श्री गुरुकृपा	ज्ञात नहीं	ज्ञात नहीं	115	113
कुल भारतीय उत्पादन	73821	70582	50837	26291

जैसाकि उपरोक्त तालिका से देखा जा सकता है समर्थकों को छोड़कर याचिकाकर्ताओं का हिस्सा कुल भारतीय उत्पादन का 80.35% बनता है। यदि इंडसिल के उत्पादन को भी जोड़ दिया जाए तो याचिकाकर्ताओं का हिस्सा फैरोसिलिकोन के भारतीय उत्पादन का 80.42% बनेगा। अतः याचिकाकर्ता समर्थन के साथ अथवा उसके बिना वर्तमान याचिका को दायर करने की स्थिति में है और नियमों के अन्तर्गत वे घरेलू उद्योग हैं।

इंडियन फैरो एलॉयज प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार 1996-97 से 1999-2000 तक के दौरान फैरो सिलिकॉन का उत्पादन (मी.टन) नीचे की तालिका में दिया गया है।

वर्ष	1996-97	1997-98	1998-99	1999-2000
सदस्य				
आईएमएफए	28,036	23,722	21,619	26,731
वीबीसी	10,557	12,202	10,410	10,809
एनबीएफए	2,984	8,414	1,379	—
अन्य	19,999	22,404	13,854	5746
गैर-सदस्य	17,000	13,000	12,000	13,000
कुल	78,576	79,742	59,262	56,286

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि याचिकाकर्ताओं, समर्थकों को छोड़कर, का हिस्सा कुल भारतीय उत्पादन का 66.69 % बनता है।

iii) भारत में उत्पादित फेरो सिलिकॉन तथा संबद्ध देश से निर्यातित फेरो सिलिकॉन में कोई अंतर नहीं है। फेरो सिलिकॉन के विभिन्न रेंजों अथवा माडलों का वर्णन सिलिकॉन के प्रतिशत अंश के रूप में किया जा सकता है। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित फेरो सिलिकॉन तथा संबद्ध देशों से निर्यातित फेरो सिलिकॉन, जिसका कीमत पर प्रभाव पड़ सकता है, में कोई अन्तर नहीं है। याचिकाकर्ता को आईएसओ 9002 प्रमाण पत्र दिया गया है। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित फेरो सिलिकॉन तथा संबद्ध देशों से आयातित फेरो सिलिकॉन की तुलना इनकी विशेषताओं के रूप में की जा सकती है जैसे:- भौतिक एवं रासायनिक विशेषताएं, विनिर्माण की प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विशिष्टताएं, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा वस्तुओं का टैरिफ वर्गीकरण। ये दोनों तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। फेरो सिलिकॉन के उपभोक्ताओं ने इन दोनों का एक दूसरे के स्थान पर उपयोग किया है।

iv) भारतीय उद्योग तथा निर्यातक देशों के विनिर्माताओं द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी में कोई खास अन्तर नहीं है। समूचे विश्व में प्रयुक्त प्रौद्योगिकी प्रचलन प्रक्रिया है। भारतीय उद्योग द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया की तुलना संबद्ध देशों में फेरो सिलिकॉन के विनिर्माताओं द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी के साथ की जा सकती है।

v) नव भारत फेरो एलाय लि० ने यह कहा है कि उन प्रचलित पावर कीमत पर फेरो सिलिकॉन का उत्पादन लाभकारी नहीं है जिन कीमतों पर आयातित सामग्री उपलब्ध है। इसलिए कम्पनी ने फेरो सिलिकॉन के उत्पादन को रोकना उचित समझा और ऐसे अन्य उत्पादों पर ध्यान केंद्रित किया जिनका योगदान अपेक्षाकृत बेहतर था।

vi) याचिकाकर्ताओं ने आयात कीमत में पर्याप्त भिन्नता के मद्देनजर भिन्न-भिन्न आधार पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया है।

ग. आयातकों, निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

3. आयातकों के विचार:-

(क) आलोक फेरो एलायज लि०

1. यह कम्पनी फेरो सिलिकॉन की विनिर्माता नहीं है बल्कि यह फेरो मैगनीज, सिलिको मैगनीज, फेरो क्रोम की विनिर्माता है।
2. उनका संयंत्र दिसम्बर, 1998 से बंद है। दिसम्बर 1998 से लेकर आज की तारीख तक किसी सामग्री का उत्पादन नहीं किया गया है।

(ख) श्री गुरुकृपा एलायज प्रा० लि०

1. इनकी इकाई ने नवम्बर 1996 में उत्पादन शुरू किया था और तब से लेकर वे फेरो सिलिकॉन का विनिर्माण कर रहे हैं। 1998-99 में उनका उत्पादन औसतन 115 मी० टन प्रति माह का था। 1999-2000 में यह 113 मी० टन (लगभग) रहा था।
2. पिछले छः महीनों से वे मै० भूटान फेरो एलायज के साथ अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहे हैं। उन्होंने पंजाब में लगभग प्रत्येक स्थान पर अपने डिपों खोल दिए हैं और वे उस दर पर फेरो सिलिकॉन की बिक्री कर रहे हैं जो प्रतिक्रिया की गई लागत कीमत से कम है।

(ग) पूजा फेरो एलायज लि०

1. यह कम्पनी भारत में फेरो एलायज (फेरो सिलिकॉन सहित) की उत्पादक है। उन्हें फेरो सिलिकॉन का विनिर्माण स्थगित करना पड़ा है क्योंकि अन्य देशों द्वारा काफी कम कीमतों पर इस सामग्री का पाटन किए जाने के कारण भारत में यह अव्यावहारिक हो गया है।
2. पिछले कुछ वर्षों में फेरो सिलिकॉन के आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। इसके अलावा ये आयात उत्तरोत्तर कम कीमतों पर पहुंच रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप भारतीय उद्योग को पर्याप्त क्षति हुई है और कुछ कंपनियों को अपना उत्पादन स्थगित करने के लिए बाध्य किया गया है।
3. रुस, चीन और ईरान से सस्ते आयातों के कारण भारतीय फेरो एलायज का बाजार पूर्णतः तहस-नहस किया जा रहा है। ये देश भारत में एलायज के विनिर्माण के दायरे को तहस-नहस करने के लिए जिम्मेवार हैं।

घ. इलेक्ट्रो फेरो एलायज प्रा० लि०

1. फेरो सिलिकॉन इस्पात उद्योग, फाउन्ड्रीज और इलेक्ट्रोड्स इत्यादि के लिए अपेक्षित एक मूलभूत कच्ची सामग्री है। अनुरोध है कि खास कर फेरो सिलिकॉन चिप्स और पाउडर पर पाटनरोधी शुल्क न लगाया जाए। इसके कारण निम्नानुसार है:-
- (क) भारत में उपलब्ध 70-75% की गुणवत्ता वाला चिप्स और पाउडर संगत नहीं है और ये अपेक्षित मात्रा में उपलब्ध नहीं है।
- (ख) भारतीय कंपनियों द्वारा सीमित उत्पादन करने की वजह से कीमतें काफी अधिक हैं।

(ग) भारतीय कंपनियों को उच्च शुल्क और 43.50 रुपए से 45 रु0 तक के मूल्य ह्रास के कारण संरक्षण प्रदान किया जाता है और इस वर्ष के दौरान 46 रु0 तक रुपए का मूल्य ह्रास होने की संभावना है। इससे स्वतः ही स्वदेशी उद्योग को 6 % और ज्यादा संरक्षण मिल जाएगा।

(घ) फ़ैरो सिलिकोन के सभी ग्रेडों पर 5 % से कम पाटनरोधी शुल्क लगाया जा सकता है लेकिन लम्प के रुपें में अर्थात् 10 एमएम और इससे ज्यादा पर न कि चिप्स और पाऊंडर पर।

(ङ.) पाटनरोधी शुल्क को लगाने का मतलब है स्टील और फाउंडी सामग्री, जो भारतीय अवस्थापना और प्रमुख उद्योग की रीढ़ की हड्डी हैं, की उच्चतर लागत।

(ङ) दि संदूर मैगनीज एंड आइरन ओर लि0

1. अंतर्राष्ट्रीय एवं घरेलू दोनों बाजारों में विद्युत टैरिफों में अत्यधिक वृद्धि और प्रतिकूल बाजार स्थितियों के कारण इस कंपनी का मैटल और फ़ैरो एलोय संयंत्र 1 अगस्त, 1998 से बंद चल रहा है।

(च) सनफ्लैग आइरन एंड स्टील कंपनी लि0

1. इस कंपनी ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से फ़ैरो सिलिकोन का शुल्क मुक्त (डीईपीबी) आयात किया है जिनके ब्यौरे निम्नानुसार हैं—

देश	एक्स रेट	मात्रा(मी0टन)	सीआईएफ दर (अमरीकी डालर)	मूल्य (अमरीकी डालर)	उल्लिखित पंधुच मूल्य रु./मी0टन
इरान	43.70	***	***	***	***
रुस	43.75	***	***	***	***
चीन	43.60	***	***	***	***
रुस	43.55	***	***	***	***

2. जांच अवधि के दौरान उत्पाद, मात्रा, मूल्य और स्वदेशी विनिर्माताओं से उक्त कंपनी द्वारा की गई सबसे बड़ी खरीद की दर के ब्यौरे निम्नानुसार हैं—

अवधि	कंपनी का नाम	मात्रा(मी० टन)	दर प्रति इकाई(रुपए)
अप्रैल-जून	आईएमएफए	***	***
अप्रैल-जून	वीबीसी	***	***
जुलाई-सित०	वीबीसी	***	***
जुलाई-सित०	आईएमएफए	***	***
अक्तू०-दिस०	वीबीसी	***	***

भारत औसत *** /मी०टन

(छ) स्टर्लिंग फैरो एलॉयज प्रा० लि०

1. निम्नलिखित कंपनियों ने जांच अवधि के दौरान फैरो सिलिकोन का उत्पादन नहीं किया है और फैरो सिलिकोन के उत्पादन को बंद कर दिया है क्योंकि देश में पर्याप्त उर्जा लागत होनेके कारण इसका उत्पादन अलाभकारी पाया गया है । निम्नलिखित कंपनियों ने अन्य मैगनीज तथा क्रोम आधारित फैरो एलॉयज के उत्पादन को अधिक किफायती पाया है:-

- (क) नवभारत फैरो एलॉयज लि० ;
- (ख) अलोक फैरो एलॉयज लि० ;
- (ग) नव क्रोम लि० ;
- (घ) इस्पात एलॉयज लि० ;
- (ङ.) जी एम आर वासवी इंडस्ट्रीज लि ;
- (च) इंडसिल इलेक्ट्रोस्मेल्ट्स लि० ;
- (छ) ट्रैवनकोर इलेक्ट्रोकेम लि० ;
- (ज) संदूर मैगनीज एंड आयरन ओर्स लि० ;
- (झ) विश्वेश्वरैया आइरन एंड स्टील कं० लि० ;
- (ञ) यूनिवर्सल फैरो एलॉयज एंड केम लि०

2. स्टील अथोरिटी, टिस्को, अन्य प्रमुख संयंत्र तथा निजी क्षेत्र सहित फ़ैरो सिलिकोन की वार्षिक आवश्यकता 1,00,000 मी० टन से अधिक है। विगत में इस उत्पाद की उपलब्धता में हमेशा कमी रही है। मांग लगातार है और प्रतिवर्ष मंदी तथा कमी की अवधियां रही हैं।
3. नवभारत फ़ैरो एलॉयज, फ़ैरो एलॉयज कारपोरेशन इत्यादि सहित फ़ैरो सिलिकोन के प्रमुख उत्पादकों ने पिछले पांच वर्षों से इस मिश्र धातु का उत्पादन अन्य मिश्र धातुओं के उत्पादन में अधिक लाभकारी मार्गों के कारण बंद कर दिया है।
4. भारत में जिसका उत्पादन किया जाता है वह 70.75 % के मानक ग्रेड का है और बिना किसी चूक के यह कहा जा सकता है कि रुस से जो आयात किया जाता है उसका कम से कम 80 % भाग 65 % ग्रेड का है। चीन तथा इरान से होने वाला आयात, जो सामान्यतः 75-80 % ग्रेड का है, नगण्य है।
5. रुस से आने वाली सामग्री, का 65 % ग्रेड होने के कारण यह स्पष्ट रूप से घरेलू 70-75 % उत्पादन की तुलना में कम से कम 10 % सस्ती होगी। इस सामग्री में अन्य कमियां भी हैं। यह अत्यधिक भुरभुरे प्रकृति का है अर्थात् गन्तव्य स्थान पर पहुंचने के समय सामग्री में छोटे-छोटे कणों की बड़ी मात्रा रहती है जिसके फलस्वरूप बिक्री केन्द्रों पर कम वसूली होती है।
6. आयात केवल भारतीय बाजार में आई कमी को पूरा करने के लिए किए जाते हैं। ये आयात भारत की बाजार कीमत का संचालन करते हैं। भारत में 70-75 % ग्रेड के लिए कारखाना द्वार आधार पर कीमतें एक वित्तीय वर्ष में 26000रुपए/मी० टन से 36,000रुपए/मी० टन तक हो सकती है।

7. यह कल्पना करना बहुत मुश्किल है कि रुस तथा चीन जैसे देश भारत को फ़ैरो सिलिकोन की बिक्री उस कीमत से कम कीमत पर कर सकते हैं जिस पर वे अपने देश को अथवा यहां तक कि तीसरे देश को कर सकते हैं । भारत को की गई अधिकांश बिक्रियां यूरोप स्थित व्यापारियों के जरिए की गई हैं, जो कि अपना उत्पाद निस्संदेह अधिकतम लाभ पर बेचेंगे । तथापि यह सत्य है कि इन देशों में उत्पादन लागत कम है।
8. फ़ैरो सिलिकॉन की मांग सभी प्रमुख उत्पादकों और बड़े इस्पात संयंत्रों द्वारा सिलिको मैगनीज के उपयोग में वृद्धि किए जाने के कारण कम हुई है । ढलाईखानों में फ़ैरो सिलिकोन की खपत इन दिनों उपलब्ध पिग आयरन के साथ पर्याप्त रूप से मिलाए जाने के कारण और कम हुई है, जिससे केवल मिश्र धातु एवं विशेष उत्पाद के उत्पादक ही इस सामग्री की खपत करते हैं जिनकी संख्या कम है ।
9. इस मिश्र धातु का उत्पादन यूरोप के अधिकांश देशों में लगातार कम हो रहा है क्योंकि यह स्वरूप में अत्यधिक विद्युत गहन होता है ।
10. पाटनरोधी शुल्क की ऊगाही से भारत में फ़ैरो सिलिकोन उद्योग को सहायता नहीं मिल सकती । अन्य उत्पादक राष्ट्र भी हैं जो उन्हीं कीमतों पर सामग्री की आपूर्ति कर सकते हैं। यदि उद्योग को वास्तव में संरक्षण की आवश्यकता है तो ऊंची लागतों के लिए क्षतिपूर्ति और शुल्क में सामान्य वृद्धि ही ऐसी चीजें हैं, जिनसे मदद मिल सकती है ।
11. जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के इस प्रतिवादी के आयातों के ब्यौरे निम्नानुसार हैं-

देश	मात्रा(मी०टन)	रु०/मी०टन	अमरीकी डालर/मी०टन	विनिमय दर
रुस	***	***	***	43.70
रुस	***	***	***	43.76(औसत)

जांच अवधि के दौरान स्वदेशी विनिर्माताओं से जांचाधीन उत्पाद की खरीदी गई मात्रा और मूल्य निम्नानुसार है:-

अवधि	कंपनी का नाम	मात्रा (मी0टन)	रु0 प्रति इकाई दर
अप्रैल-जून	श्री लक्ष्मी इलैक्ट्रोस्मैलटर्स प्रा0लि0	***	***
अप्रैल-जून	दी सिलकॉन मैटालर्जिकल लि0	***	***
जुलाई-सित0	श्री लक्ष्मी इलैक्ट्रोस्मैलटर्स प्रा0 लि0	***	***

(ज) हिन्दुस्तान प्रोड्यूस कंपनी

1. सम्बद्ध देशों के फैंरो सिलिकोन की उतराई लागत उस कीमत से तुलनात्मक रूप से काफी अधिक है, जिस कीमत पर भारतीय विनिर्माताओं द्वारा इसकी बिक्री की जाती है।
2. आयातित फैंरो सिलिकोन में एल्यूमिनियम तत्व भारत में उत्पादित फैंरो सिलिकोन से अधिक है और इस प्रकार आयात से भारतीय विनिर्माताओं पर असर नहीं पड़ सकता।
3. जांच अवधि अर्थात् अप्रैल-दिसम्बर 1999 के दौरान भारतीय विनिर्माताओं की बिक्रियां सस्ते आयातों की वजह से नहीं बल्कि बाजार परिस्थितियों, विशेषकर इस्पात में सामान्य मंदी से प्रभावित हुई थीं।

4. निर्यातक के विचार:

रुस, चीन तथा जापान के ज्ञात निर्यातकों ने सूचना के लिए प्राधिकारी के अनुरोध का निर्धारित प्रश्नावली के अनुसार जबाव नहीं दिया।

(घ) उठाए गए मुद्दों की जांच:

5. याचिकाकर्ता और आयातकों द्वारा किए गए अनुरोधों की उस सीमा तक, जिस सीमा तक ये नियमों के तहत संगत हैं और इस मामले पर प्रभाव डालते हैं, जांच की गई है और उन पर नीचे समुचित स्थानों पर कार्रवाई की गई है।

(ड.) जांचाधीन उत्पाद:

6. फ़ैरोसिलिकोन लौह तथा सिलिकोन की एक मिश्रित धातु है जिसमें अशुद्धि के रूप में कैल्शियम, एल्यूमिनियम, कार्बन, सल्फर तथा फास्फोरस निहित होते हैं। फ़ैरो सिलिकोन में सिलिकोन का बड़ा हिस्सा होता है। फ़ैरो सिलिकोन के आकार का वर्णन सामान्यतः उत्पाद के बाहरी व्यास के संबंध में मि०मी० में किया जाता है।

फ़ैरो सिलिकोन का उपयोग मुख्यतः स्टील और मिश्रित स्टील के उत्पादन में डीआक्सीडाइजर के रूप में किया जाता है। फ़ैरो सिलिकोन का उपयोग विद्युत रेक्टिफायर और वैल्विंग इलैक्ट्रोड्स के निर्माण में भी किया जाता है। फ़ैरो सिलिकोन के विभिन्न उपयोगों का वर्णन निम्नानुसार किया जा सकता है:

- स्टील के उत्पादन में डीआक्सीडाइजर,
- स्टील के लिए एक मिश्र धातु तत्व के रूप में,
- इलैक्ट्रिकल ग्रेड स्टील के निर्माण में,
- संक्षारक-रोधी और अम्ल प्रतिरोधी स्टील के उत्पादन में,
- विद्युत रेक्टिफायर के विनिर्माण में,
- वैल्विंग इलैक्ट्रोड्स के विनिर्माण में,
- इसे कास्ट आयरन में ग्रेफ़टाइजिंग एजेंट के रूप में मिलाया जाता है।

फ़ैरो सिलिकोन सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के अध्याय 72 के सीमाशुल्क उपशीर्ष संख्या 7202.21 और 7202.2100 के अंतर्गत वर्गीकृत है।

च. समान वस्तुएं

6. फ़ैरोसिलिकोन लौह तथा सिलिकोन की एक मिश्रित धातु है जिसमें अशुद्धि के रूप में कैल्शियम, एल्यूमिनियम, कार्बन, सल्फर तथा फास्फोरस निहित होते हैं। तथापि फ़ैरोसिलिकोन के उत्पादन के लिए प्रक्रिया उपकरण अथवा प्रौद्योगिकी के रूप में कोई खास अंतर नहीं है। फ़ैरो सिलिकोन का उपयोग मुख्यतः स्टील और मिश्रित स्टील के

उत्पादन में डीआक्सीडाइजर के रूप में किया जाता है। फ़ैरो सिलिकोन का उपयोग विद्युत रेक्टिफायर और वैल्विंग इलैक्ट्रॉड्स के निर्माण में भी किया जाता है। यह सिद्ध करने के लिए कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित फ़ैरो सिलिकोन रूस और चीन से निर्यातित वस्तु के समान वस्तु है, प्राधिकारी द्वारा तकनीकी विनिर्देशन, विनिर्माण प्रक्रिया, कार्य और उपयोग तथा टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं पर विचार किया गया है।

iii) कुछ हितबद्ध पार्टियों ने आयातित फ़ैरो सिलिकोन और याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित फ़ैरो सिलिकोन के बीच गुणवत्ता संबंधी अंतर पर जोर दिया है। तथापि, उत्पाद की मूलभूत विनिर्माण प्रक्रिया, प्रयोग तथा इसका समग्र उपयोग एक समान हैं। बड़े पैमाने पर प्रतिस्थापनीयता और परिणामतः जांचाधीन आयातित उत्पाद तथा याचिकाकर्ता द्वारा विनिर्मित उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा होने के नाते ये इस जांच की विषय वस्तुएं हैं। हितबद्ध पार्टियों ने उल्लेख किया है कि फ़ैरो सिलिकोन के सभी ग्रेडों पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जा सकता है लेकिन लम्प के रूपों में अर्थात् 10 मि०मी० और इससे ज्यादा पर न कि चिप्स तथा पाउडर पर। याचिकाकर्ताओं ने स्पष्ट किया है कि विनिर्माण की प्रक्रिया लगभग लौह चून रहित होती है और कुछ अन्तराल पर भट्ठी से केवल मिश्र धातु ही निकाली जा सकती है। तत्पश्चात् उत्पाद को उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं के अनुसार आकार देने के लिए ढाला जाता है और ठण्डा किया जाता है। इसलिए उत्पाद में भौतिक भिन्नताएं क्रेताओं की आवश्यकताओं पर निर्भर होती हैं।

प्राधिकारी यह भी पाते हैं कि इस बात का खण्डन करने के लिए कोई तर्क नहीं है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित फ़ैरो सिलिकोन की विशेषताएं आयातित सामग्री से काफी हद तक मिलती जुलती हैं और यह वाणिज्यिक और तकनीकी दोनों प्रकार से संबद्ध देश से आयातित फ़ैरो सिलिकोन द्वारा प्रतिस्थापनीय है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित फ़ैरो सिलिकोन को नियम 2(घ) के अर्थ के भीतर रूस तथा चीन से निर्यातित उत्पाद के समान वस्तु माना गया है।

छ. घरेलू उद्योग:

7. यह याचिका रूस, चीन और इरान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित फैरो सिलिकोन के पाटन का आरोप लगाते हुए मैसर्स इंडियन मेटल्स एंड फैरो एलॉयज लि., भुवनेश्वर, मै0 नवभारत फैरो एलॉयज लि0, हैदराबाद और मै0 वीबीसी फैरो एलॉयज लि0, हैदराबाद द्वारा दायर की गई है। लौह एवं इस्पात विकास आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार समर्थकों को छोड़कर याचिकाकर्ताओं का हिस्सा कुल भारतीय उत्पादन का 80.35 % बनता है।

इसलिए प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता 'घरेलू उद्योग' का हिस्सा है और ये नियमों के अंतर्गत वर्तमान याचिका दायर करने की स्थिति में हो।

ज. पाटन:

8. प्राधिकारी ने धारा 9क(1) के अनुसार सम्बद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजीं। तथापि, निर्यातकों ने मांगी गई सूचना प्रस्तुत नहीं की। इसलिए, निर्यातकों द्वारा सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के संबंध में कोई दावा नहीं किया गया है। इसलिए प्राधिकारी को सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के संबंध में क्रमशः परिकलित कीमत और सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर भरोसा करने के लिए बाध्य होना पड़ा।

झ. परिकलित मूल्य तथा प्राधिकारी के पास उपलब्ध सूचना पर आधारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की जांच

(i) सामान्य मूल्य:

9. प्राधिकारी पाते हैं कि सम्बद्ध देशों के निर्यातकों ने निर्धारित प्रपत्र में प्रश्नावली का जवाब नहीं दिया है और न ही सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन-मार्जिन के बारे में सूचना प्रस्तुत की है। इसलिए प्राधिकारी सभी निर्यातकों को असहयोगी मानते हैं और उन्होंने सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर कार्यवाही की है।

सम्बद्ध देशों के संबंधित निर्यातकों से सूचना प्राप्त न होने पर प्राधिकारी को रूस और चीन में सम्बद्ध वस्तु की परिकलित लागत का निर्धारण करने के लिए बाध्य होना पड़ा और सरकारी आंकड़ों में यथा उपलब्ध नामजद देशों से हुए निर्यात की कीमत का निर्धारण किया है।

इसलिए रूस में सामान्य मूल्य जांच अवधि के दौरान 1 अमरीकी डालर = 43.35 रु0 की औसत विनिमय दर पर *** अमरीकी डालर/मी0 टन अथवा *** रु0/मी0टन माना जाता है।

चीन में सामान्य मूल्य जांच अवधि के दौरान 1 अमरीकी डालर = 43.35 रु0 की औसत विनिमय दर पर *** अमरीकी डालर/मी0 टन अथवा *** रु0/मी0टन माना जाता है।

(ii) निर्यात कीमत

(क) रूस:

10. प्राधिकारी के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार सी आई एफ कीमत *** रु0/मी0 टन निर्धारित की गई है। कारखानागत निर्यात कीमत का निर्धारण *** अमरीकी डालर/मी0टन, समुद्री बीमा प्रभारों के रूप में ***%, रूस के एजेंट हेतु ***% की दर से कमीशन, पत्तन हैंडलिंग हेतु एफओबी मूल्य के ***% और भारतीय अनुभव के आधार पर पत्तन प्रभार तथा *** % की दर से दुलाई लागत, जिसे रूस के उत्पादकों द्वारा अपने समुद्री पत्तनों तक व्यय किए जाने की संभावना है, को हिसाब में लेने के बाद किया गया है। तथापि, प्राधिकारी द्वारा याचिकाकर्त्ताओं द्वारा किए गए कार्यों द्वारा भारतीय इंडेंटिंग एजेंट के लिए ***% की दर से कमीशन की अनुमति दस्तावेजी साक्ष्य के अभाव में प्रदान नहीं की गई है। इन कारणों से किए गए समायोजनों के पश्चात् कारखानागत एफओबी निर्यात कीमत 43.35रु0 = 1 अमरीकी डालर की औसत विनिमय दर पर *** रु0/मी0टन अथवा *** अमरीकी डालर/मी0टन होने का अनुमान है।

ख. चीन

11. प्राधिकारी के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार सी आई एफ कीमत *** रु0/मी0 टन निर्धारित की गई है। कारखानागत निर्यात कीमत का निर्धारण *** अमरीकी डालर/मी0टन, समुद्री बीमा प्रभारों के रूप में ***%, चीन के एजेंट हेतु ***% की दर से कमीशन, पत्तन हैंडलिंग हेतु एफओबी मूल्य के ***% और भारतीय अनुभव के आधार पर पत्तन प्रभार तथा *** % की दर से दुलाई लागत, जिसे चीन के उत्पादकों द्वारा अपने समुद्री पत्तनों तक व्यय किए जाने की संभावना है, को हिसाब में लेने के बाद किया गया है। तथापि, प्राधिकारी द्वारा याचिकाकर्ताओं द्वारा किए गए कार्यों द्वारा भारतीय इंडेंटिंग एजेंट के लिए ***% की दर से कमीशन की अनुमति दस्तावेजी साक्ष्य के अभाव में प्रदान नहीं की गई है। इन कारणों से किए गए समायोजनों के पश्चात् कारखानागत एफओबी निर्यात कीमत 43.35रु0 = 1 अमरीकी डालर की औसत विनिमय दर पर *** रु0/मी0टन अथवा *** अमरीकी डालर/मी0टन होने का अनुमान है।

(i) पाटन मार्जिन:(क) रुस:

12. परिकलित सामान्य मूल्य ***अमरीकी डालर/मी0 टन और कारखानागत निर्यात कीमत *** अमरीकी डालर/मी0 टन पर विचार करते हुए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन अमरीकी डालर/मी0 टन आता है। (जो निर्यात कीमत का 56.9 % है)।

(ख) चीन

13. परिकलित सामान्य मूल्य xxx अमरीकी डालर/मी. टन और कारखानागत निर्यात कीमत xxx अमरीकी डालर/मी. टन पर विचार करते हुए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन xxx अमरीकी डालर/मी. टन आता है (जो निर्यात कीमत का 43.3 प्रतिशत है)

(ग) क्षति

14. प्राधिकारी यह बात नोट करते हैं कि पाटन मार्जिन और संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा उपरोक्त नियम 11 में निर्धारित सीमा से अधिक है।

भारत में घरेलू उद्योग पर पड़ने वाले आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने आगे और ऐसे संकेतकों पर विचार किया है जिनका उपरोक्त नियमावली के अनुसार उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्रियों की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा एवं मार्जिन के रूप में उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता हो।

(क) आयातों की मात्रा

**डी जी सी आई एस के अनुसार
मात्रा (मी.टन)**

देश	1996-97	1997-98	1998-99	जांच अवधि के दौरान
रूस	1074.7	2949.8	2514.8	4003.78
चीन	220.7	2209	80.29	2675
ईरान	—	142.8	—	280
संबद्ध देश	1295.5	5301.8	2595.18	6958.78
अन्य स्रोत	9931	6429.96	1779.58	5858.5
कुल आयात	11226.5	11731.8	4374.7	12817.3

(सीमाशुल्क वर्गीकरण सं. 7202.2100 के अंतर्गत संबद्ध सामानों के आयातों पर विचार किया गया है)

फैरो सिलिकोन के कुल आयातों में 96-97 के आयातों की तुलना में 97-98 में 4.5 प्रतिशत तक की और 97-98 के आयातों की तुलना में 168 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। फैरो सिलिकोन के कुल आयातों में यह वृद्धि वर्ष 1998-99 के आयात स्तर की तुलना में जांच अवधि में 192.9 प्रतिशत थी। इस प्रकार आयातों की मात्रा जांच अवधि के दौरान काफी अधिक हो गई है।

यद्यपि 1998-99 की तुलना में जांच अवधि (अप्रैल-दिसम्बर, 2000) में रूस से हुए आयातों की मात्रा में 59.20 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। तथापि वर्ष 1998-99 के आयातों की तुलना में जांच अवधि में आयातों की मात्रा में 3231 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। ईरान से हुए आयातों की मात्रा में 1997-98 की तुलना में जांच अवधि (अप्रैल-दिसम्बर, 2000) के दौरान 96 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है।

वर्ष 1996-97, 1997-98, 1998-99 और जांच अवधि के दौरान कुल आयातों में रूस की हिस्सेदारी क्रमशः 9.5 प्रतिशत, 25.14 प्रतिशत, 57.48 प्रतिशत और 31.23 प्रतिशत की थी। वर्ष 1996-97, 1997-98, 1998-99 और जांच अवधि के दौरान कुल आयातों में चीन की हिस्सेदारी क्रमशः 1.96 प्रतिशत, 18.83 प्रतिशत, 1.83 प्रतिशत और 20.8 प्रतिशत की थी। कुल आयातों में ईरान की हिस्सेदारी क्रमशः 1996-97 में शून्य, 1997-98 में 1.2 प्रतिशत, 1998-99 में शून्य और जांच अवधि में 2.18 प्रतिशत की थी। प्राधिकारी यह बात नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान हुए फेरो सिलिकोन के कुल आयातों की मात्रा में ईरान से हुए संबद्ध वस्तु का आयात केवल 2.18 प्रतिशत बनता है इसलिए यह मात्रा निर्धारित सीमा से कम है। इसलिए ईरान से हुए आयातों को अंतिम निष्कर्षों तक इन जांचों के दायरे से अलग रखा जाता है।

(ख) उत्पादन एवं क्षमता उपयोग

याचिकाकर्ताओं की उत्पादन क्षमता, वास्तविक उत्पादन और क्षमता उपयोग निम्नानुसार रहा है:-

याचिकाकर्ता	वर्ष	स्थापित क्षमता (मी. टन)	उत्पादन (मी.टन)	क्षमता उपयोग प्रतिशत
	1997-98			
आई एम एफ ए		45000	25130	55.8
वी बी सी		12000	12254 (अपना-11209 जाबवर्क *** व्यय-*** निवल उत्पादन-11209)	93.4
नव भारत		कोई सूचना नहीं	8414	---
कुल		57000	36486	64
	1998-99			
आई एम एफ ए		45000	22319	49.59
वी बी सी		1000	10473 (अपना-- 8214 जाबवर्क-***)	82.14

नव भारत		कोई सूचना नहीं	1374	---
कुल		55000	30533	55.5
	जांच अवधि (अप्रैल-दिसम्बर, 99)			
आई एम एफ ए		45000	19031	42
वी बी सी		10000	कुल उत्पादन 8373 (अपना-*** (माने गए निर्वर्ति-*** जाबवर्क-*** निवल उत्पादन, जाबवर्क को छोड़कर- 7735)	77.35
नव भारत		---	---	---
कुल		55000	26766	48.66

यह देखा जाता है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में गिरावट आई है।

(ग) बिक्रियां एवं बाजार हिस्सा

इंडियन फ़ैरो एल्लाय प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (आई एफ ए पी ए) की सूचना के मुताबिक उनके पास उपलब्ध सूचना के आधार पर घरेलू बाजार में फ़ैरो सिलिकोन की अनुमानित बिक्री (मी टन) निम्नानुसार रही है:-

घरेलू बिक्री	1996-97	97-98	98-99	99-2000
सदस्य	54,987	57,918	42,891	41,605
गैर-सदस्य (अनुमानित)	17,000	13,000	12,000	13,000
भारतीय उत्पादकों की कुल बिक्री (अनुमानित)	71,987	70,918	54,891	54,605

याचिकाकर्ताओं द्वारा की गई बिक्री की मात्रा निम्नानुसार थी:-

याचिकाकर्ता	1996-97	97-98	98-99	99-2000
आई एम एफ ए	29964	22445	24984	21095

वी बी सी	10990	9623	10193	6141
नव भारत	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उत्पादित नहीं
कुल	40954	32068	35177	27236

उपरोक्त से यह देखा जाता है कि वर्ष 96-97, 97-98, 98-99 और 99-2000 (दिसम्बर, 99 तक) फैंरो सिलिकोन की मांग क्रमशः लगभग 83213 मी.टन, 82649 मी.टन, 59265 मी.टन और 67422 मी.टन की थी। जांच अवधि के दौरान वार्षिक मांग 89896 मी. टन है। वर्ष 96-97, 97-98, 98-99 और 99-2000 (दिसम्बर, 99) तक कुल मांग में आयातों का हिस्सा क्रमशः 13.49 प्रतिशत, 16.54 प्रतिशत, 7.38 प्रतिशत, और 19 प्रतिशत का था। वर्ष 96-97, 97-98, 98-99 और 99-2000 (दिसम्बर, 99) तक घरेलू उद्योग का हिस्सा क्रमशः 49.2 प्रतिशत, 38.8 प्रतिशत, 59.35 प्रतिशत और 40.39 प्रतिशत का था।

(घ) अंतिम स्टॉक

याचिकाकर्ताओं का अंतिम स्टॉक नीचे सारणी में दिया गया है:-

इतिशेष स्टॉक (मी.टन)	97-98	98-99	99-2000 (जांच अवधि के दौरान)
आई एम एफ ए	6323	3658	1594
नव भारत	1408	561	207(99-00 के लिए)
वी बी सी	2370	223	1817
कुल	10101	4442	3618(वार्षिक 4824 मी.टन)

(ड.) कीमतों में से कटौती और कीमतों में गिरावट

आयातित सामग्री की पहुँच कीमतें घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से कम है। जांच अवधि के लिए डी जी सी आई एस के माह-वार आयात के आंकड़ों में चीन से हुए आयातों की कीमतों की प्रति यूनिट दर में 9.25 रुपए प्रति किग्रा. से लेकर 60.8 रुपए/किग्रा. की भिन्नता प्रदर्शित होती है। असाधारण सौदों की अनदेखी करने के पश्चात् चीन से पहुँच मूल्य लगभग 32170 रुपए/मी०टन है। रूस से पहुँच मूल्य (मई, 99 में असाधारण सौदे को छोड़ने के बाद) 29,251 रुपए/मी.टन का है।

रुपये/मी.टन

रु./मी. टन

वर्ष	घरेलू उद्योग की बिक्री वसूली (भारित औसत)	आयातों की पहुँच कीमत	
		रूस	चीन
1997-98	***	28970	30630
1998-99	***	29270	59520
1999-2000	***	29251	32170

(च) लाभप्रदत्ता

घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री कीमतें अपने उत्पादन लागत से कम कीमत पर करने के लिए बाध्य किया गया है जिसके फलस्वरूप काफी वित्तीय घाटा हुआ है। घरेलू उद्योग को हुई क्षति घरेलू बाजारों में बिक्रियों से उद्योग को हुए प्रति यूनिट लाभ/हानि से स्पष्ट हो जाती है, जैसा कि नीचे दर्शाया गया है:-

रूपए/किग्रा	97-98	98-99	99-2000 (जांच अवधि के दौरान)
आई एम एफ ए			
कॉप	***	***	***
बिक्री कीमत	***	***	***
पी/एल	***	(***)	(***)
वी बी सी			
उत्पादन लागत	***	***	***
बिक्री कीमत	***	***	***
पी/एल	***	***	***
नव भारत			
कॉप	***	***	कोई उत्पादन नहीं
उत्पादन कीमत	उपलब्ध नहीं कराया गया	उपलब्ध नहीं कराया गया	कोई उत्पादन नहीं
पी/एल	उपलब्ध नहीं कराया गया	उपलब्ध नहीं कराया गया	कोई उत्पादन नहीं

(ट) क्षति संबंधी निष्कर्ष

15. पूर्वोक्त के मद्देनजर यह पाया गया है कि:

(क) संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा में समग्र रूप से वृद्धि हुई है।

- (ख) याचिकाकर्ताओं के बाजार हिस्से में गिरावट आई है जबकि आयातों में वृद्धि हुई है ।
- (ग) याचिकाकर्ताओं को अपनी कीमतें आयात कीमतों के बराबर रखने के लिए बाध्य किया गया है उनकी क्षति रहित कीमत से कम है जिसके परिणामस्वरूप घाटा हुआ है ।
- (घ) घरेलू उद्योग के पास भारी अंतिम स्टॉक बच गया है ।

ठ. कारणात्मक संबंध

16. प्राधिकारी नोट करते हैं कि फ़ैरो सिलिकॉन उद्योग विद्युत उद्योग है । मै0 नव भारत सहित बहुत से फ़ैरो सिलिकॉन उत्पादक एककों को या तो उत्पादन रोकने या एकक बंद करने के लिए बाध्य होना पड़ा क्योंकि पाटित कीमतों पर फ़ैरो सिलिकॉन के बढ़े हुए आयातों की मौजूदगी में विनिर्माण पर आने वाली उच्च उत्पादन लागत को उपभोक्ता वहन नहीं कर सकते थे । हालाँकि मांग में कोई खास अंतर नहीं आया है इसमें मामूली वृद्धि हुई है फिर भी कुल भारतीय घरेलू उत्पादन वर्ष 1996-97, 97-98 और 98-99 में क्रमशः 73821 मी.टन, 70582 मी.टन और 50837 मी.टन से घटकर जांच अवधि में 26404 मी.टन हो गया क्योंकि बहुत से एकक बंद हो गए थे । फिर भी याचिकाकर्ता के पास बड़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए अपेक्षित क्षमता है । पाटित आयातों का मांग में हिस्सा वर्ष 1996-97, 97-98, 98-99 में क्रमशः 13.49 प्रतिशत, 16.54 प्रतिशत और 7.38 प्रतिशत से बढ़कर 99-2000 (दिसम्बर, 99) तक में 19 प्रतिशत हो गया । घरेलू उद्योग को ऐसे प्रतिकूल हालातों में अपना बाजार हिस्सा बनाए रखने के प्रयास के चलते घाटे में बिक्री करने के लिए बाध्य होना पड़ा ।

रूस और चीन भारत को फ़ैरो सिलिकॉन का निर्यात करने वाले प्रमुख निर्यातक देश हैं और जांच अवधि से पहले और जांच अवधि के दौरान उक्त देशों से आयातों की मात्रा में भारी वृद्धि हुई है। जैसा कि पहले ही नोट किया गया है, वर्ष 1996-97, 97-98, 98-99 और जांच अवधि के दौरान रूस का कुल आयात में हिस्सा क्रमशः 9.5 प्रतिशत, 25.14 प्रतिशत, 57.48 प्रतिशत और 31.23 प्रतिशत था । कुल आयात में चीन का हिस्सा 1996-97, 1997-98, 1998-99 और जांच अवधि में क्रमशः 1.96 प्रतिशत, 18.83 प्रतिशत, 1.83 प्रतिशत और 20.8 प्रतिशत था । निर्यात कीमत में कमी के परिणामस्वरूप पहुँच मूल्य कम हो गया। इससे इसके बाद याचिकाकर्ताओं की बिक्री प्राप्ति में कमी आ गई । रूस और चीन से हुए आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि होने से याचिकाकर्ता के बाजार हिस्से में गिरावट आ गई । घरेलू उद्योग को पाटित आयातों की कीमतों की बराबरी करने के अपने प्रयास के चलते अपनी क्षति रहित कीमत से कम कीमत पर बिक्री करने के लिए बाध्य होना पड़ा जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग इसकी भरपाई करने में असमर्थ हो गया था । इसलिए प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों के कारण पहुँची थी ।

(ड) भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

17. आमतौर पर पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य ऐसे पाटन को समाप्त करना है जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा रहा है और भारतीय बाज़ार में ऐसी खुली व उचित प्रतिस्पर्द्धा की स्थिति पुनः कायम करना है जो कि देश के आमहित में है ।

18. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्द्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है । किन्तु, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाज़ार में उचित प्रतिस्पर्द्धा कम नहीं होगी, विशेषकर तब, जब पाटनरोधी शुल्क की लेवी उस राशि तक ही सीमित कर दी जाए जो कि घरेलू उद्योग को हुए नुकसान को कम करने के लिए आवश्यक है इसके विपरीत, पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन की प्रक्रिया द्वारा प्राप्त किए गए अनुचित लाभ समाप्त होंगे, भारतीय उद्योग का ~~ह्रास~~ रूकेंगे और इस प्रकार फ़ेरो सिलिकॉन के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्पों को उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी । पाटनरोधी उपायों से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार से कम नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा । यह कहा गया है कि जाँच अवधि के दौरान बाज़ार स्थितियों में, विशेषकर इस्पात के क्षेत्र में एक सामान्य मंदी चल रही थी जिससे घरेलू उद्योग की बिक्री प्रभावित हुई । तथापि, इस्पात मंत्रालय, विकास आयुक्त का कार्यालय के लौह एवं इस्पात संबंधी मासिक बुलेटिन (मार्च, 2000 में) दिए गए अनुमानों में यह प्रदर्शित होता है कि 98-99 की तुलना में 99-2000 में पिग आयरन के उत्पादन में 4.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, अपरिष्कृत इस्पात के उत्पादन में 98-99 की तुलना में 99-2000 में 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और परिष्कृत इस्पात के उत्पादन में 98-99 की तुलना में 99-2000 में 12.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है ।

19. घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की मात्रा को सुनिश्चित करने के निमित्त प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए क्षमता उपयोग के ईष्टतम स्तर पर उत्पादन की अधिकतम लागत पर विचार करके भारत में घरेलू उद्योग के लिए फ़ेरो सिलिकॉन की उचित बिक्री कीमत पर विश्वास किया है ।

(ढ) पहुँच मूल्य

20. आयातों के पहुँच मूल्य का निर्धारण सीमाशुल्क के प्रचलित स्तर और एक प्रतिशत हैंडलिंग प्रभार जोड़ने के बाद पाटन से संबंधित उपरोक्त पैरा में किए गए उल्लेखानुसार निर्धारित फ़ेरो सिलिकॉन की निर्यात कीमत के आधार पर किया गया है ।

(ण) निष्कर्ष

21. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद यह देखा गया है कि:

(क) रूस और चीन के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित पैरा 6 में उल्लिखित फ़ेरो सिलिकॉन का सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर भारत को निर्यात किया गया है, जिसके कारण पाटन हुआ है;

- (ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।
 (ग) क्षति संबंधित देशों से आयातों के कारण हुई है ।

यह निर्णय लिया गया था कि पाटन मार्जिन के बराबर अथवा उससे कम पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश की जाय, जिसे यदि लगाया जाता है तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी । आयातों के पहुँच मूल्य की तुलना जाँच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत के साथ भी की गई थी । तदनुसार, यह प्रस्ताव किया जाता है कि सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 72 के सीमाशुल्क उप शीर्ष सं. 7202.2100 के अंतर्गत आने वाले रूस और चीन के मूल के या वहाँ से निर्यातित फेरो सिलिकॉन पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से अंतिम निर्धारण होने तक अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाय । पाटनरोधी शुल्क कॉलम 3 में उल्लिखित राशि और आयातों के पहुँच मूल्य के बीच का अंतर होगी ।

देश	उत्पादक/निर्यातक का नाम	राशि (रूपये/मी.टन)
1	2	3
रूस	सभी निर्यातक/उत्पादक	33,120
चीन	सभी निर्यातक/उत्पादक	33,120

22. इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3 क, 8 ख, 9 तथा 9 क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी प्रकार के सीमाशुल्कों और सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन सीमाशुल्क द्वारा निर्धारित निर्धारणीय मूल्य होगा ।

(त) आगे की प्रक्रिया

23. प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुपालन किया जाएगा:-

- (क) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों से इन निष्कर्षों के बारे में टिप्पणियाँ आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम निष्कर्षों में विचार किया जाएगा;
- (ख) प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्त्ताओं तथा संबंधित समझी जाने वाली अन्य हितबद्ध पार्टियों को अलग से लिखा जा रहा है जो अधिसूचना के प्रेषण की तारीख से 40 दिनों के अंदर अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं । कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन निष्कर्षों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती हैं ;
- (ग) प्राधिकारी मौखिक अनुरोधों के लिए सभी हितबद्ध पार्टियों को अवसर प्रदान करेंगे ।
- (घ) अंतिम निष्कर्षों की घोषणा करने से पहले प्राधिकारी आवश्यक तथ्यों को प्रकट करेंगे ।

एल.वी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 16th November, 2000

PRELIMINARY FINDINGS

Subject.—Anti-Dumping investigations concerning imports of Ferro Silicon from Russia, China and Iran—Preliminary Findings.

No. 28/1/2000-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury), Rules 1995, thereof

A. PROCEDURE:

1. The procedure given below has been followed with regard to the investigations:
 - i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written petition from M/s. Indian Metals and Ferro Alloys Ltd., Bhubaneswar, M/S Nava Bharat Ferro Alloys Ltd., Hyderabad and M/S VBC Ferro Alloys Ltd., Hyderabad alleging dumping of Ferro Silicon originating in or exported from Russia, China and Iran.
 - ii) The preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the petitioner. The petition was thereafter considered as properly documented.
 - iii) The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner decided to initiate investigations against alleged dumping of imports of Ferro Silicon originating in or exported from Russia, China and Iran. The Authority notified the Embassies of the subject countries about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate investigations in accordance with sub-rule 5(5) of the Rules.
 - iv) The Authority issued a Public Notice dated 5th June, 2000, published in the Gazette of India Extraordinary initiating anti-dumping investigations

concerning imports of Ferro Silicon classified under customs sub-heading no. 7202.21 and 7202.2100 of Chapter 72 of the Customs Tariff Act, 1975, originating in or exported from Russia, China and Iran.

- v) The Authority forwarded a copy of the Public Notice to the known exporters (whose details were made available by the petitioner) and industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter.
- vi) The Authority forwarded a copy of the Public Notice to the known importers (whose details were made available by the petitioner) of Ferro Silicon and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter.
- vii) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of Russia, China and Iran.
- viii) The Authority provided copies of the non-confidential Petition to the known exporters and the Embassies of the subject countries in accordance with Rule 6(3) supra.
- ix) The Authority sent a questionnaire, to elicit relevant information to the following known exporters in Russia, China and Iran in accordance with Rule 6(4);

RUSSIA

- Chelyabinsk Electro Metallurgical Integrated Plant
Chelyabinsk 454081
- Klutchersk Ferro Plant
Devurechensk Settlement,
Sysertsle District
SVERD: OVSK OBLAST 624013
Russia

CHINA

- China Hanton Ind. Ltd
2401 110 King Comm. Centre

Hong Kong,

- Nanjing No. 3 Ferro-Alloy Plant,
HO 13 Jiangning Road
Nanjing City, Jiangsu
- Tianjing Non-Ferrous Metals,
International Trade Co. Ltd.,
Tianjin, China
- Hunan Ferro Alloy Plant,
Jianan, China
- Jinchuan Nono Ferrous Metal Co.
Gansu Province,
China
- Jinzhou Ferro Alloys Plant,
Liaoning, China
- Nanjing Ferro Alloys Plant,
Jiangsu, China
- Shanghai Ferro Alloy Plant,
West Shanghai, China
- Xiber Ferro Alloys Works,
Gansu, China
- Xinyu Iron & Steel Works,
Jiangxi Province, China
- Xishui Country Ferro Silicon Plant,
Hubei, China
- Zunyi Ferro Alloy Plant,
Guizhou Province,
China

TRADERS

Scand Metal International S.A.
Brussels

Ferromet AB
Stockholm

Ferco Intertrade (U.K.) Ltd.
London

Ferco Celik Vc Dis Ticaret Ltd.,
Turkey

Korca Non-Ferrous Metal
Calcutta

First Industrial S.A.
Luxembourg

Benet Luxembourg S.A.
Luxembourg

DDK Trading Ltd.
Sliema Malta

London Metals Ltd.
London 2 YT

Elkem A.S.
Norway

Trans Commodities A.G.
Switzerland

L & M Group
Germany

CMIEC India Liaison Office,
New Delhi-110 021

AIMCOR Metals Group
Coraoplls, P.A. 15108

IRAN

Iran Ferro Alloys Industries Company,
P.O.Box 15815/3169,
No. 621 St. Gandhi Avenue,
Tehran 1517

The exporters did not respond to the questionnaire. However, Iran Ferro Alloys Industries Company in a letter dated August 20th, 2000, addressed to the Designated Authority stated that Ferro Silicon has got various grades and the standard one is Si:73-78%. They have supplied only 300 /MT tons of this product at USD 540/ MT C+F Mumbai of which USD 20/ MT is freight. This material has got an international price with slight fluctuations and as a small producer compared to world turnover, they cannot but obey international prices. Their total production capacity is actually 20,000 MT and Iran's actual production is about 40,000 MT which is mainly used in Iran. The Authority notes that the information as furnished in the letter is not substantiated with documentary evidence.

The Embassies of Russia, China and Iran were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, non-confidential petition and questionnaire sent to the exporters was also sent to them, alongwith the name and addresses of the exporters.

- x) A questionnaire was sent to the following known importers of Ferro Silicon in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4);

IMPORTERS – FERRO SILICON

OPRK Ferro Alloys Ltd.
Wazirpur, Delhi-110 052

Metalic Alloys
Delhi-110 052

Durga Chemical Agencies,
Ludhiana

Himani Ferro Alloys Ltd.,
Karol Bagh, New Delhi

British Metal Corp.India Pvt. Ltd.
New Delhi- 110 001

Metco Marketing
New Delhi

Oswal Minerals,
Bangalore-560021

Jain Ferro Alloys
Bangalore-560021

Manhar Manak Alloys Pvt. Ltd.,
Mumbai – 400 004

Shriram Enterprises,
Chennai – 4

Sterling Ferro Alloys Pvt. Ltd.,
Baroda – 390 005

Kothari Metals Ltd.,
Calcutta – 71

Gargi Industries,
Mumbai – 400 074

Kalinga Alloys Ltd.,
New Delhi – 110 005

Essel Mining & Industries Ltd.,
Gujarat

Visa International,
Calcutta – 700 017

Rashtriya Ispat Nigam Ltd. (VSP),
Andhra Pradesh

Sunglag Iron & Steel Co. Ltd.,
Nagpur – 400 001

Essar Steels Ltd.,
Gujarat

Mukand Ltd.,
Mumbai – 400 080

Minex Metalurgical Co. Ltd.,
Mumbai – 400 069

Vrindhavan Enterprises,
New Delhi – 110 029

Snam Alloys Pvt. Ltd.,
Pondicherry

Panchmahal Steel Ltd.,
Mumbai – 400 021

Shrilakshmi Traders,
Bangalore – 560 021

Electro Ferro Alloys Pvt. Ltd.
Ahmedabad – 380008

DCM Engineering Products
Ropar – 140 01

Rathi Ispat Ltd.,
Ghaziabad

Starwire India Ltd.,
Faridabad

Haryana Steel & Alloys Ltd.,
Haryana

FERRO SILICON MAJOR CONSUMERS

Jindal Strips Ltd.
Hisar

Sunflag Iron & Steel Co. Ltd.
Nagpur – 440001

Haryana Steel & Alloys Ltd.
Sonipat, Haryana

Essar Steels Ltd.,
Gujarat

Rathi Ispat Ltd,

Ghaziabad (U.P.)

Mukand Ltd.,
Mumbai – 400 080

Ambica Steels Ltd.,
Sahibabad (U.P.)

Minex Metallurgical Co. Ltd.,
Mumbai – 400069

DCM Engineering Works
Ropar - 140001

The Tata Iron & Steel Co. Ltd.,
Jamshedpur – 831 001

Upper Inda Steel Mfg. & Engg. Co. Ltd.,
Ludhiana – 141 010

Steel Authority of India Ltd.,
Calcutta – 700 071

Aartee Steels Ltd.,
Ludhiana , Punjab

Rashtriya Ispat Nigam Ltd. (VSP),
Visakhapatnam
Andhra Pradesh

Punjab Concast Ltd.
Ludhiana – 141 010

Office of the Directorate General of
Supplies & Disposals (DGC&D)
New Delhi – 110 001

Usha Martin Ltd.
Calcutta – 700 071

TELCO Ltd.,
Jamshedpur – 831 001

Starwire India Ltd.

Faridabad

Ennore Foundries Ltd.,
Chennai – 600 057

Pioneer Alloy Casting Ltd.
Chennai – 600 028

Electro Steel Castings Ltd.
Calcutta – 700 0001

Gontiernan Piepers Ltd.,
West Bengal

GKW Ltd.
Howrah – 711103

Keshoram Spun Pipes & Foundries Ltd.
Calcutta – 700 070

Response was filed by the following:

- Ferro Alloys Ltd, Raipur
- Shree Guru Kripa Alloys Pvt Ltd. Jammu
- Puja Ferro Alloys Ltd., Goa
- SNAM Alloys Pvt. Ltd., Pondicherry
- Mukand Ltd., MUKANDE, Thane
- Sterling Ferro Alloys Pvt. Ltd., Baroda
- Sunflag Iron & Steel Co, Ltd., Bhandar
- Tata Engineering, Mumbai
- Electro Ferro Alloys Pvt. Ltd., Ahmedabad
- The Sandur Manganese & Iron Ores Ltd., Metal & Ferro Alloys Plant, Hospet

- xi) The Authority made available the non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
- xii) Cost investigations were conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) on the information furnished by the petitioners so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- xiii) Some of the interested parties requested for extension in time to file their responses to the importers questionnaire which was granted upon due cause shown.
- xiv) *** In this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xv) Investigations were carried out for the period 1st April 1999 to 31st December 1999 (9 months).

B. PETITIONERS VIEWS

2. The petitioner has raised the following major issues in their petition and in their subsequent submissions:

i) Ferro Silicon is an alloy of iron and silicon containing calcium, aluminum, carbon, sulphur and phosphorous as impurities. Ferro Silicon is manufactured in submerged arc furnace where heat is generated by resistance of raw materials when electrical energy is passed through carbon electrodes. The main raw material for the production of Ferro Silicon is Quartzite which contains more than 98% SiO₂. Carbon paste and electricity are other raw materials required for the production of the subject goods. Since the process of manufacture is almost slagless, only alloy is tapped out from the furnace at intervals. The product is then casted and cooled for sizing as per the customers' requirements.

ii) Ferro Silicon is being imported from the subject countries for quite some time. Ferro Silicon is primarily imported by users for their own end use. There are a number of producers of Ferro Silicon in Russia, China and Iran. The Chinese producers do not undertake exports directly. Exports are made by authorised

trading houses in China. However, the exporters from these countries have reduced their prices in 1998-99 which is causing injury to the domestic industry. The volume and value of imports of Ferro Silicon as per DGCIS for 1996-97, 1997-98, 1998-99 and the POI i.e April, 1999 to December, 1999 are as follows:

As per DGCIS
Quantity (MT)

Country	1996-97	1997-98	1998-99	POI
Russia	1074.7	2949.8	2514.8	4003.78
China	220.7	2209	80.29	2675
Iran	---	142.8	---	280
Sub.countries	1295.5	5301.8	2595.18	6958.78
Other Sources	9931	6429.96	1779.58	5858.5
Total imports	11226.5	11731.8	4374.7	12817.3

(Imports of the the subject goods have been considered under custom classification no. 7202.2100).

Value in Rs./ kg.(cif)

Country	1996-97	1997-98	1998-99	POI
Russia	24.06	22.96	23.19	23.19
China	34.41	24.27	47.15	25.16
Iran	---	25.34	---	20.54
All other Sources	38.30	31.5	44.12	44.60

Landed value of exports

Country	1996-97	1997-98	1998-99	POI
Russia	29.64	28.97	29.27	29.86
China	42.39	30.63	59.52	32.39
Iran	---	31.98	---	26.44
Other sources	47.18	39.76	55.7	57.37

(A) As per the information of the Administrative Ministry, there are fifteen producers of Ferro Silicon in India, three of whom have filed this petition. A fourth producer namely M/s Indsil Electrosmelts Ltd., Coimbatore has supported this petition.

(B) From the user industry response, it is learnt that M/s Shree Guru Kripa Alloys Pvt. Ltd. commenced production in November, 1996 and since then they have been manufacturing Ferro Silicon. Their production in the year 1998-99 was 115 MT on an average per month. In the year 1999-2000 it was 113 MT (approx).

Production in MT

Producers	1996-97	1997-98	1998-99	POI
Petitioners				
IMFA	28273	22679	22043	13379
VBC	10406	11476	6162	7748
Nava Bharat	2982	8038	1373	---
Total	41661	42193	29578	
Other than Petitioners				
Alok Ferro Alloys Ltd.	-	-	686	---
Nav Chrome Ltd.	162	324	324	---
Ispat Alloys Ltd.	8880	-	-	---
GMR Vasavi Industries Ltd.	146	33	-	5
Indsil Electrosmelts Ltd.	2864	1532	3149	18
The Silcal Metallurgic Ltd.	4449	3462	5040	5005
The Travancore Electro Chem	-	57	506	---
Sandur Maganese & Iron Ore	8102	10993	5227	---
Visvesvarya Iron & Steel Co.	7557	7986	2319	---
Universal Ferro Alloys Chem	-	4008	4008	---
M/s Anjaney Ferro Alloys Ltd				50
M/s Shyam Ferro alloys Ltd.				86
Shree Guru Kripa	Not known	Not known	115	113
Total Indian Production	73821	70582	50837	26291

As can be seen from the table above, the Petitioners, excluding the supporters represent 80.35% of the total Indian production. If the production of Indsil is also included, the petitioners would represent 80.42% of Indian production of Ferro Silicon. Therefore, the petitioners with or without support satisfy the standing to file the present petition and constitute the domestic industry under the Rules.

As per information furnished by The Indian Ferro Alloys Producers Association, the production of Ferro Silicon (MT) during 1996-97 to 1999-2000 was as given in the Table below:-

Year	1996-97	97-98	98-99	99-2000
------	---------	-------	-------	---------

Members				
IMFA	28,036	23,722	21,619	26,731
VBC	10,557	12,202	10,410	10,809
NBFA	2,984	8,414	1,379	---
Others	19,999	22,404	13,854	5746
Non-Members	17,000	13,000	12,000	13,000
Total	78,576	79,742	59,262	56,286

From the above table, the Petitioners, excluding the supporters represent 66.69% of the total Indian production.

iii) There are no differences in the Ferro Silicon produced in India and that imported from the subject countries. The various range or models of Ferro Silicon can be described in terms of percentages content of silicon. There is no difference in the Ferro Silicon produced by Indian Industry and that exported from the subject countries which can have an impact on price. Petitioners have been certified ISO 9002. The Ferro Silicon produced by the Indian industry and imported from the subject countries is comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution and marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. Consumers of Ferro Silicon have used the two interchangeably.

iv) There is no known significant difference in the technology adopted by the Indian Industry and the manufacturers in the exporting countries. The technology employed throughout the world is the smelting process. The process adopted by the Indian industry is comparable with the technology adopted by the manufacturers of Ferro Silicon in the subject countries.

v) Nava Bharat Ferro Alloys Ltd., has stated that the production of Ferro Silicon is not remunerative at the prevailing power price, given the prices at which the imported material is available. The company therefore considered it more appropriate to suspend the production of Ferro Silicon and concentrate on other products where contribution is relatively better.

vi) The petitioners have requested for imposition of anti-dumping duty on variable basis in view of the significant variation in import prices.

C. VIEWS OF IMPORTERS, EXPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

3. Importers views

(A) Alok Ferro Alloys Ltd.

1. This company is not a manufacturer of Ferro Silicon but are manufacturers of Ferro Manganese, Silico Manganese and Ferro Chrome.

2. Their plant is closed since December, 1998. No material has been produced since December, 1998, till date.

(B) Shree Guru Kripa Alloys Pvt. Ltd.

1. Their unit commenced production in November, 1996 and since then they have been manufacturing Ferro Silicon. Their production in the year 1998-99 was 115 MT on an average per month. In the year 1999-2000 it was 113 MT (approx).

2. For the past six months, they have been facing unhealthy competition with M/S Bhutan Ferro Alloys. They have opened up their depots almost everywhere in Punjab and are selling Ferro Silicon at a rate which is lower than the cost price of this responded.

(C) Puja Ferro Alloys Ltd.

1. This company is a producer of Ferro Alloys (including Ferro Silicon) in India. They have had to suspend the manufacture of Ferro Silicon because the same is unviable in India because of dumping of this material by other countries at ridiculously low prices.

2. Imports of Ferro Silicon have increased significantly in the past few years. Moreover, the imports are coming at increasingly lower prices. This has resulted in significant injury to the Indian Industry and few companies have been forced to suspend their production.

3. The Indian Ferro Alloys market is being completely ruined by cheap imports from Russia, China and Iran. These countries are responsible for running the scope of manufacturing of Alloys in India.

(D) Electro Ferro Alloys Pvt. Ltd.

1. Ferro Silicon is a basic raw material needed for steel industry, foundries and electrodes, etc. It is requested that anti-dumping duty should not be levied specially on Ferro Silicon Chips and Powder. The reasons are as given below:-

- (a) The quality available in India of 70-75% for chips and powder is not consistent and not available in required quantities.
- (b) Prices are very high due to limited production by Indian companies.
- (c) Indian companies are protected because of high duty as well as depreciation of Rupee from Rs. 43.50 to Rs. 45 which is likely to go down during the course of this year to Rs. 46. This will automatically mean 6% more protection to indigenous industry.
- (d) Anti-dumping duty of not more than 5% may be levied on all grades of Ferro Silicon but in the forms of lumps i.e. 10 mm and above but not on chips and powder.
- (e) Anti-dumping duty would mean higher cost of steel and foundry material which is the backbone of Indian infrastructure and core industry.

(E) The Sandur Manganese and Iron Ore Ltd.

1. The Metal and Ferro Alloys Plant of this company is under closure since 1st August, 1998 due to steep hike in power tariff and unfavourable market condition, both in international and domestic markets.

(F) Sunflag Iron & Steel Company Ltd.

1. This company has imported Ferro Silicon duty free (DEPB) during the POI from the subject countries details of which are as follows:-

Country	Ex.Rate	Qty.(MT)	Cif Rate (USD)	Value (USD)	Landed Value as stated Rs./MT
Iran	43.70	***	***	***	***
Russia	43.7	***	***	***	***
China	43.60	***	***	***	***
Russia	43.55	***	***	***	***

2. The details of the product, quantity, value and rate of largest purchase by the company from indigenous manufactures during the POI is as follows:-

Period	Name of Co.	Qty.(MT)	Rate per unit(Rs.)
Apr.-June	IMFA	***	***
Apr.-June	VBC	***	***
July-Sept.	VBC	***	***
July-Sept.	IMFA	***	***

Oct.-Dec.	VBC	***	***
-----------	-----	-----	-----

*Weighted average ***/MT*

(G) Sterling Ferro Alloys Pvt. Ltd.

1. The following companies have not produced Ferro Silicon during the investigation period and have discontinued the production of Ferro Silicon as the same has been found to be uneconomical due to high power costs in the country. The following companies have found the production of other manganese and chrome based ferro alloys more economical.

- (a) Nava Bharat Ferro Alloys Ltd.
- (b) Alok Ferro Alloys Ltd.
- (c) Nav Chrome Ltd.
- (d) Ispat Alloys Ltd.
- (e) GMR Vasavi Industries Ltd.
- (f) Indsil Electrosmelts Ltd.
- (f) Travancore Electro Chem Ltd.
- (g) Sandur Manganese and Iron Ores Ltd.
- (h) Visvesvaraya Iron & Steel Co. Ltd.
- (i) Universal Ferro Alloys and Chem Ltd.

2. The annual requirement of Ferro Silicon is in excess of 100,000MT including Steel Authority, TISCO, other main plant and the private sector. In the past there has always been a short fall in the availability of this product. The demand is cyclical and there are periods of slackness and shortfall every year.

3. The main producers of Ferro Silicon have withdrawn the production of this alloy since the last five years, including Nava Bharat Ferro Alloys, Ferro Alloys Corporation, etc. due to more profitable avenues in production of other alloys.

4. What is produced in India is a standard 70-75% grade and it can be said without any default that a minimum of 80% of what is imported is a 65% grade from Russia. Imports from China and Iran are negligible which are generally of the 75-80% grade.

5. The material coming from Russia being 65% grade obviously will work out cheaper by at least 10% compared to the domestic 70-75% production. This material also has other drawbacks. It is highly friable in nature i.e. there is a large contents of fines in the material by the time it arrives at destination leading to lower realisation at sales points.

6. Imports are only to fulfil the shortfall in the Indian market. These imports drive market prices in India. Prices could vary within one financial year

from Rs. 26,000/MT to 36,000/MT on an ex-works basis for the 70-75% grade in India.

7. It is difficult to imagine that countries like Russia and China would sell Ferro Silicon to India at a price cheaper than what they can sell within their own country or even to a third country. Most of the sales are made to India through Europe based traders who would obviously sell their product for maximum profit. It is true, however, that the cost of production is lower in these countries.

8. The demand for Ferro Silicon is diminishing with the increase in use of Silico Manganese by all the main producers and large steel plants. The consumption of Ferro Silicon has further reduced in foundries due to the high contents of Silicon in the pig iron available these days, leaving only the alloy and special steel producers to consume this material, which are few in number.

9. The production of this alloy has steadily decreased in most nations of Europe as it is very power intensive in nature.

10. A levy of anti-dumping duty cannot assist the Ferro Silicon Industry in India. There are other producing nations which can supply material at similar prices. If the industry really needs protection, a compensation for high power costs and a general duty increase is what could help.

11. Details of this respondent's imports of the product under consideration from the subject countries during the investigation period are as given below:-

Country	Qty (MT)	Rs. /MT	USD/MT	Exc.Rate
Russia	***	***	***	43.70
Russia	***	***	***	43.76(Ave.)

Details of purchase of the quantity and value of the product under investigations from indigenous manufacturers during the POI are as given below:-

Period	Name of Co.	Qty(MT)	Rs. Rate per unit
Apr.-June	Sri Lakshmi Electrosmelters Pvt. Ltd.	***	***
Apr.-June	The Silcal Metallurgic Ltd.	***	***
July-Sept.	Sri Lakshmi Electrosmelters Pvt.	***	***

	Ltd.		
July-Sept.	The Silcal Metallurgic Ltd.	***	***
Oct.-Dec.	The Silcal Metallurgic Ltd.	***	***

(H) Hindustan Produce Company

1. The landing cost of Ferro Silicon of the subject countries is comparatively much higher than the price at which the same is sold by Indian manufacturers.
2. The aluminium content in imported Ferro Silicon is higher than the Ferro Silicon produced in India and as such the import cannot affect the Indian manufacturers.
3. The sales of Indian manufacturers during the investigation period i.e., April – December 1999, were affected not because of cheaper imports but because of general slump in market conditions, particularly steel.

4. Exporters Views

The known exporters in Russia, China and Iran did not respond to the Authority's request for information as per the prescribed questionnaire.

D. EXAMINATION OF THE ISSUES RAISED

5. The submissions made by the petitioner and importers to the extent they are relevant under the Rules and have a bearing upon the case, have been examined and dealt with at appropriate places hereunder.

E. PRODUCT UNDER INVESTIGATION

6. Ferro Silicon is an alloy of iron and silicon containing calcium, aluminum, carbon, sulphur and phosphorous as impurities. Silicon constitutes the major proportion in Ferro Silicon. The size of Ferro Silicon is generally described in terms of millimeter of the outer dia of the product.

Ferro Silicon is primarily used as a deoxidiser in the production of steel and alloy steels. Ferro Silicon is also used in the manufacturing of power rectifiers and welding electrodes. The various users of Ferro Silicon can be described as under:

- Deoxidiser in the production of steel,
- As an alloying element for steel,

- In the making of electrical grade steel,
- In the production of anti-corrosive and acid resistant steel,
- In the manufacturing of power rectifiers,
- In the manufacturing of welding electrodes,
- It is added to cast iron as graphitising agent,

Ferro Silicon is classified under Customs sub-heading Nos. 7202.21 and 7202.2100 of Chapter 72 of the Customs Tariff Act, 1975.

F. LIKE ARTICLES

6. Ferro Silicon is an alloy of iron and silicon containing calcium, aluminum, carbon, sulphur and phosphorous as impurities. There is however no significant difference in terms of process, equipment or technology for the production of Ferro Silicon. Ferro Silicon is primarily used as a deoxidiser in the production of steel and alloy steels. Ferro Silicon is also used in the manufacturing of power rectifiers and welding electrodes. In order to establish that Ferro Silicon produced by the domestic industry is a Like Article to that exported from Russia and China, characteristics such as technical specifications, manufacturing process, functions and uses and tariff classification have been considered by the Authority.

iii) Some interested parties have stressed on the quality differences between the imported Ferro Silicon and that manufactured by the petitioner. However, the basic manufacturing process, applications and overall use of the product are similar. There is a high degree of interchangeability and consequently of competition between the imported product and investigation that manufactured by the petitioner being the subject matter of this investigation. Interested parties have stated that anti-dumping duty may be levied on all grades of Ferro Silicon but in the forms of lumps i.e. 10 mm and above but not on chips and powder. The petitioners have clarified that the process of manufacture is almost slagless and only alloy is tapped out from the furnace at intervals. The product is then casted and cooled for sizing as per the customers' requirements. Physical differences in the product are therefore dependent on buyers requirements.

The Authority also finds that there is no argument disputing that Ferro Silicon produced by the domestic industry has characteristics closely resembling the imported material and is substitutable by Ferro Silicon imported from the subject country both commercially and technically. Ferro Silicon produced by the

domestic industry has been treated as Like Article to the product exported from Russia and China, within the meaning of Rule 2(d).

G.DOMESTIC INDUSTRY

7. The petition has been filed by M/s. Indian Metals and Ferro Alloys Ltd., Bhubaneshwar, M/s Nava Bharat Ferro Alloys Ltd., Hyderabad and M/S VBC Ferro Alloys Ltd., Hyderabad alleging dumping of Ferro Silicon originating in or exported from Russia, China and Iran. As per the information furnished by the O/o Development Commissioner Iron & Steel, the petitioners excluding the supporters represent 80.35% of the total Indian production.

The Authority notes therefore that the petitioners constitute “domestic industry” and have the required standing to file the present petition under the Rules.

H. DUMPING

8. The Authority sent questionnaires to the known exporters from the subject countries in terms of section 9 A (1). However, the exporters did not respond with the information called for. Therefore there are no claims made by the exporters with regard to Normal Value and Export Price. The Authority has therefore been constrained to rely upon constructed price and best available information with regard to Normal Value and Export Price respectively.

I. EXAMINATION OF NORMAL VALUE AND EXPORT PRICE BASED ON CONSTRUCTED VALUE AND ON AVAILABLE INFORMATION WITH THE AUTHORITY

(i) NORMAL VALUE

9. The Authority observes that the exporters from the subject countries have not responded to the questionnaire in the prescribed format and have not furnished information relating to normal value, export price, and dumping margin. The Authority therefore considers all exporters to be non-cooperative and has proceeded on best available information.

In the absence of information from the concerned exporters from the subject countries, the Authority has been constrained to determine the constructed cost of the subject goods in Russia and China and has determined export price from the named countries as available in official data.

The normal value in Russia is therefore considered to be USD ***/MT or Rs ***/MT at an average exchange rate during POI of 1USD=Rs 43.35.

The normal value in China is considered to be USD ***/MT or Rs ***/MT at an average exchange rate during POI of 1USD=Rs 43.35.

(ii) Export Price

(A) Russia

10. The cif price as per the information available with the Authority is determined at Rs ***/MT. The ex-factory export price has been determined after taking USD ***/MT, ***% as marine insurance charges, commission @***% for the agent in Russia, ***% of fob value for port handling and port charges as per the Indian experience and transportation costs @ ***% likely to be incurred by the producers in Russia to their sea ports. However, commission @***% for the Indian indenting agent as claimed by the petitioners is not allowed by the Authority for want of documentary evidence. After adjustments on these accounts the ex- factory fob export price is estimated to be Rs ***/MT or USD ***/MT at an average exchange rate of Rs 43.35=1USD.

(B) China

11. The cif price as per the information available with the Authority is determined at Rs ***/MT. The ex-factory export price has been determined after taking USD ***/MT, ***% as marine insurance charges, commission @***% for the agent in China, ***% of fob value for port handling and port charges as per the Indian experience and transportation costs @ ***% likely to be incurred by the producers in China to their sea ports. However, commission @***% for the Indian indenting agent as claimed by the petitioners is not allowed by the Authority for want of documentary evidence. After adjustments on these accounts the ex- factory fob export price is estimated to be Rs ***/MT or USD ***/MT at an average exchange rate of Rs 43.35=1USD.

(i) Dumping margin

(A) Russia

12. Considering the constructed normal value at USD ***/MT and the ex-works export price at USD ***/MT, the dumping margin determined by the Authority comes to USD ***/MT (which is 56.9% of export price).

(B) China

13. Considering the constructed normal value at USD ***/MT and the ex-works export price at USD ***/MT, the dumping margin determined by the Authority comes to USD ***/MT (which is 43.3% of export price).

J. INJURY

14. The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from the subject country are more than the limits prescribed in Rule 11 Supra.

For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such further indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, quantum of sales, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra.

(a) Quantum of Imports

As per DGCIS
Quantity (MT)

Country	1996-97	1997-98	1998-99	POI
Russia	1074.7	2949.8	2514.8	4003.78
China	220.7	2209	80.29	2675
Iran	---	142.8	---	280
Sub.countries	1295.5	5301.8	2595.18	6958.78
Other Sources	9931	6429.96	1779.58	5858.5
Total imports	11226.5	11731.8	4374.7	12817.3

(Imports of the the subject goods have been considered under custom classification no. 7202.2100).

The total imports of Ferro Silicon increased by 4.5% in 97-98 over that of 96-97 and by 168% in 98-99 over 97-98. The increase in the total imports of Ferro Silicon was 192.9% in the POI over the level of 1998-99. Thus the quantum of imports have gone up significantly during the period of investigation.

While the quantum of imports from Russia have gone up by 59.20% in the POI (Apr-Dec'2000) over 1998-99, the quantum of imports from China have gone up by 3231% in the POI over that of 1998-99. The quantum of imports from Iran have gone up by 96% in the POI (Apr-Dec'2000) over 1997-98.

The share of Russia in total imports was 9.5%, 25.14%, 57.48% and 31.23% in 1996-97, 1997-98, 1998-99 and the POI, respectively. The share of China in total imports was 1.96%, 18.83%, 1.83% and 20.8% in 1996-97, 1997-98, 1998-99 and the POI, respectively. The share of Iran in total imports was nil in 1996-97, 1.2% in 1997-98, nil in 1998-99 and 2.18% in the POI, respectively. The Authority notes that the imports of the subject goods from Iran constitute only 2.18% of the total quantum of imports of Ferro Silicon during the period of investigation and are hence de-minimis. Imports from Iran are therefore excluded from the scope of these investigations pending final findings.

(b) **Production and Capacity Utilisation**

The production capacity, actual production and capacity utilisation of the petitioners was as follows: -

Petitioners	Year	Installed Capacity (MT)	Production (MT)	Capacity Utilisation %
	1997-98			
IMFA		45000	25130	55.8
VBC		12000	12254 (Own- 11209 Job work-*** exp-*** net prod-11209	93.4
Nava Bharat		No information	8414	---
Total		57000	36486	64
	1998-99			
IMFA		45000	22319	49.59
VBC		10000	10473 (Own – 8214 Job work- ***)	82.14
Nava Bharat		No information	1374	---
Total		55000	30533	55.5
	POI (Apr- Dec'99)			
IMFA		45000	19031	42

VBC		10000	Total prod. 8373 (Own- ***; deemed export - ***; job work- *** net.prod excl. job work 7735)	77.35
Nava Bharat		---	---	---
Total		55000	26766	48.66

It is seen that production and capacity utilisation of domestic industry has declined in the period of investigation.

(c) **Sales and Market Share**

As reported by the Indian Ferro Alloy Producers' Association (IFAPA), the estimated sales (MT) of Ferro Silicon in the domestic market based on information available with them is as follows:-

Domestic Sales	1996-97	97-98	98-99	99-2000
Members	54,987	57,918	42,891	41,605
Non-members (Estimated)	17,000	13,000	12,000	13,000
Total Sales of Indian Producers (Estimated)	71,987	70,918	54,891	54,605

The quantum of sales made by the petitioners were as follows:-

Petitioners	1996-97	97-98	98-99	99-2000
IMFA	29964	22445	24984	21095
VBC	10990	9623	10193	6141
Nava Bharat	Not available	Not available	Not available	Not produced
Total	40954	32068	35177	27236

It is observed from the above that the demand of Ferro Silicon was approximately 83213 MT, 82649 MT, 59265 Mt and 67422 Mt in 96-97, 97-98, 98-99 and 99-2000 (upto Dec.'99) respectively. The annualized demand for the POI is 89896 MT. The share of imports in total demand was 13.49%, 16.54%, 7.38% and 19% in 96-97, 97-98, 98-99 and 99-2000 (upto Dec. 99) respectively. The share of the

domestic industry was 49.2%, 38.8%, 59.35% and 40.39% in 96,97, 97-98, 98-99 and 99-2000 (upto Dec.99) respectively.

(d) **Closing Stocks**

The closing stocks of the petitioners were as given in the table below:-

Closing Stocks (MT)	97-98	98-99	99-2000 (POI)
IMFA	6323	3658	1594
Nava Bharat	1408	561	207 (for 99-00)
VBC	2370	223	1817
Total	10101	4442	3618 (annualised 4824MT).

(e) **Price undercutting and price depression**

The landed prices of the imported material are below the non-injurious price of the domestic industry. The DGCIS month-wise import data for the period of investigation shows a variation from Rs 9.25/kg to Rs 60.8/kg in the per unit rate of import prices (cif) from China. After ignoring the abnormal transactions the landed value from China is around Rs 32170/MT. The landed value from Russia (after excluding an abnormal transaction in May'99) is Rs 29,251/MT.

Rs/MT

Year	Sales Realisation of Dom. Industry (Wt.ave)	Landed Price of Imports	
		Russia	China
1997-98	***	28970	30630
1998-99	***	29270	59520
1999-2000	***	29251	32170

(f) **Profitability:-**

The domestic industry has been forced to reduce its selling prices below its cost of production, resulting in substantial financial losses. The injury to the domestic industry is evident from the per unit profit/loss made by the industry from sales in the domestic markets, as shown below:-

Rs/kg	97-98	98-99	99-2000 (POI)
IMFA			
COP	***	***	***
Selling Price	***	***	***
P/L	***	(***)	(***)

VBC			
COP	***	***	***
Selling Price	***	***	***
P/L	***	***	(***)
Nava Bharat			
COP	***	***	No production
Selling Price	Not made available	Not made available	No production
P/L	Not made available	Not made available	No production

K. CONCLUSION ON INJURY

15. In view of the foregoing it is observed that:-

- the quantum of imports from the subject countries have increased in absolute terms;
- the market share of the petitioners have gone down while that of imports has increased;
- the petitioners have been forced to match import prices that are below their non-injurious price resulting in losses;
- the domestic industry is left with substantial closing stocks.

L. CAUSAL LINK

16. The Authority notes that the Ferro Silicon industry is power intensive. Many units producing Ferro Silicon including M/s Nava Bharat were forced to either suspend production or shut down as in the presence of increased imports of Ferro Silicon at dumped prices, the high cost of production incurred in manufacture could not be passed down to the consumers. Although there has been no significant change in demand which has increased marginally, total Indian domestic production declined from 73821Mt, 70582Mt, and 50837Mt in 1996-97, 97-98, and 98-99 to 26404MT in the POI respectively, as a result of the closure of many units. The petitioners nevertheless, have the requisite capacity to meet increased demand. Dumped imports increased its share in demand from 13.49%, 16.54%, and 7.38% in 96-97, 97-98, 98-99 to 19% in 99-2000 (upto Dec. 99) respectively. The domestic industry in an attempt to retain its share of the market in such unfavourable conditions was forced to sell at losses.

Russia and China are major exporters of Ferro Silicon to India and there has been a tremendous increase in import volumes from the said countries prior to and in the period of investigation. As already noted, the share of Russia in total imports was 9.5%, 25.14%, 57.48% and 31.23% in 1996-97, 1997-98, 1998-99 and the POI, respectively. The share of China in total imports was 1.96%, 18.83%, 1.83% and 20.8% in 1996-97, 1997-98, 1998-99 and the POI,

respectively. The reduction in the export price resulted in low landed price followed by reduction in sales realisation of the petitioners. The increase in the market share of imports from Russia and China resulted in the decline in the market share of the petitioner. The domestic industry in its attempts to match the dumped import prices was forced to sell below its non-injurious price which resultantly, the domestic industry was unable to recover. The Authority therefore holds that the material injury to the domestic industry was caused by the dumped imports from the subject countries.

M. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

17. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

18. It is recognised that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of Ferro Silicon. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore would not affect the availability of the product to the consumers. It has been stated that there was a general slump in the market conditions particularly in the steel sector during the period of investigation which affected the sales of the domestic industry. However, the estimates reflected in The Monthly Bulletin on Iron and Steel (March 2000) of the Ministry of Steel, O/o the Development Commissioner, shows an increase of 4.4% in the production of Pig Iron in 99-00 over 98-99, an increase of 9% in the production of Crude Steel in 99-00 over 98-99 and an increase of 12.5% in the production of Finished Steel in 99-00 over that of 98-99.

19. To ascertain the extent of anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry, the Authority relied upon reasonable selling price of Ferro Silicon in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilisation for the domestic industry.

N. LANDED VALUE

20. The landed value of imports is determined on the basis of export price of Ferro Silicon determined as detailed above in the para relating to dumping, after adding the prevailing level of customs duties and one per cent landing charges.

O. CONCLUSIONS

21. It is seen after considering the foregoing that:

(a) Ferro Silicon described under para 6 originating in or exported from Russia and China has been exported to India below normal value, resulting in dumping;

(b) the domestic industry has suffered injury;

(c) injury has been caused by imports from the subject countries.

It was decided to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry. The landed price of imports was also compared with the non-injurious price of the domestic industry, determined for the period of investigation. Accordingly, it is proposed that provisional anti-dumping duties be imposed, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on Ferro Silicon originating in or exported from Russia and China falling under customs sub-heading no. 7202.2100 of Chapter 72 of the Customs Tariff Act, pending final determination. The anti-dumping duty shall be the difference between the amount mentioned in Col.3. and the landed value of imports.

Country 1.	Name of the producer/exporter 2.	Amount 3. (Rs/MT)
Russia	All exporters/producers	33,120
China	All exporters/producers	33,120

22. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

P. FURTHER PROCEDURE

23. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:

- a. The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- b. Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days of the despatch of this notification. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.
- c. The Authority would provide opportunity to all interested parties for oral submissions.
- d. The Authority would disclose essential facts before announcing the final findings.

L. V SAPHARISHI, Designated Authority